■ चैत्र कृष्ण - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 233 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 22-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

SPR CITY
A PROJECT WITH BINNY LTD
73582 00333
MIDNIGHT
JACKPOT
CARNIVAL
29, 30 & 31st March - 2025
7 DAYS TO GO!
REVEALING SOON
6 SERIES DEALS
BLACK ACE JACKPOT
5 SERIES DEALS
RED ACE JACKPOT
3 SERIES DEALS
CLUB ACE JACKPOT
MARKET OF INDIA
CREDAI
www.rera.tn.gov.in | TN/29/BUILDING/0223/2021 | TN/29/BUILDING/0390/2024 TN/29/BUILDING/0396/2024 | TN/29/BUILDING/0416/2024 | *T&C Apply.

कर्नाटक में चार फीसदी आरक्षण जनसंख्या के आधार पर, तुष्टिकरण नहीं : विधायक एन हैरिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के कांग्रेस विधायक एन. हैरिस ने गुरुवार को बिजली की कीमतों में वृद्धि, सरकारी ठेकों में मुस्लिम कॉन्ट्रैक्टरों के लिए चार फीसदी आरक्षण, वक्फ संशोधन विधेयक और मुख्यमंत्री की हेलीकॉप्टर यात्रा जैसे मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। बिजली की कीमतों में वृद्धि को लेकर एन. हैरिस ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी, तो इस तरह के कदम की सिफारिश की गई थी। भाजपा के समय में भी यह कदम उठाने की सिफारिश की गई थी। अब तक कितनी बार बिजली की कीमतें बढ़ाई गई हैं? यह एक नियमित प्रक्रिया है जिसमें मूल्यांकन किया जाता है। लेकिन आम जनता पर इसका कोई असर नहीं होना चाहिए। यह एक सिस्टम है, व्यक्तिगत रूप से मुझे नहीं लगता कि कीमतों में वृद्धि होनी चाहिए क्योंकि इससे जनता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। राज्य सरकार के ठेकों में मुस्लिम समुदाय के ठेकेदारों को चार फीसदी आरक्षण देने के मुद्दे पर हैरिस ने कहा कि यह आरक्षण जनसंख्या के आधार पर दिया गया है। भाजपा कह सकती है कि यह तुष्टिकरण है, लेकिन यह तुष्टिकरण तब क्यों नहीं होता जब इसे दूसरों के लिए किया जाता है? भाजपा का उद्देश्य सिर्फ समाज को विभाजित करना और तोड़ना है। प्रदेश को बेहतर बनाने के लिए कांग्रेस जो कुछ भी कर सकती है, वह करेगी।

वक्फ संशोधन विधेयक पर कांग्रेस विधायक ने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस विधेयक से खुश नहीं है। कांग्रेस विधायक ने कहा, हम वक्फ संशोधन विधेयक से खुश नहीं हैं, लेकिन हमें जो भी हासिल हुआ है, उससे हम संतुष्ट हैं। इस विधेयक में कई महत्वपूर्ण बातें हैं, यह सिर्फ एक मुद्दा नहीं है। हम सभी ने स्वतंत्रता संग्राम से पहले कई समझौतों पर सहमति जताई थी। हम संविधान के खिलाफ नहीं जा सकते। हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है। मुख्यमंत्री की हेलीकॉप्टर यात्रा को लेकर सवाल किए जाने पर एन. हैरिस ने कहा कि इस तरह की अनावश्यक टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री को यात्रा करनी होती है, इसलिए नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है।

सौरभ भारद्वाज 'आप' की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष, मनीष सिसोदिया पार्टी के पंजाब मामलों के प्रभारी नियुक्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पिछले महीने विधानसभा चुनाव में अपने गढ़ दिल्ली में हार जाने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) ने शुक्रवार को संगठनात्मक फेरबदल की घोषणा करते हुए पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज को अपनी दिल्ली इकाई का नया अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को पंजाब के पार्टी मामलों का प्रभारी नियुक्त किया।

भारद्वाज ने गोपाल राय का स्थान लिया है, जबकि सिसोदिया ने पंजाब का प्रभार संभाला है। पंजाब देश का एकमात्र राज्य है जहां वर्तमान में आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में है। ये निर्णय 'आप' प्रमुख अरविंद केजरीवाल के आवास पर पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक के दौरान लिए गए।

बदलावों की घोषणा करते हुए 'आप' महासचिव (संगठन) संदीप पाठक ने कहा कि गोपाल राय को गुजरात का प्रभार दिया गया है, जहां पार्टी अपना आधार बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। राज्यसभा सदस्य पाठक को आप के छत्तीसगढ़ मामलों का प्रभारी नियुक्त किया गया है, जबकि पंकज गुप्ता पार्टी की गोवा इकाई की अगुवाई करेंगे। पंजाब, गुजरात और गोवा में दो साल के भीतर विधानसभा चुनाव होंगे।

'आप' ने मेहराज मलिक को पार्टी की जम्मू कश्मीर इकाई का प्रमुख बनाया है। पार्टी ने राज्य इकाइयों के लिए सह-प्रभारी भी नियुक्त किए हैं, जिनमें पंजाब के लिए सत्येंद्र जैन, गुजरात के लिए दुर्गेश पाठक और गोवा के लिए अंकुश नारंग, आभाष चंदेला और दीपक सिंघला का नाम शामिल है।

भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में आप को करीब 43.5 प्रतिशत वोट मिले, जो भाजपा से सिर्फ दो प्रतिशत कम है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''इन परिस्थितियों में भी आधी दिल्ली ने आम आदमी पार्टी को वोट दिया।'' आप की दिल्ली इकाई के नए अध्यक्ष भारद्वाज ने कहा , ''हम पार्टी को मजबूत करेंगे और संगठन का विस्तार करेंगे।''सिसोदिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में केजरीवाल और पार्टी नेतृत्व को पंजाब के प्रभारी के रूप में काम करने की जिम्मेदारी देने के लिए धन्यवाद दिया। सिसोदिया ने कहा, ''मेरा प्रयास होगा कि आप के सभी नेता, कार्यकर्ता और सरकार, भगवंत मान जी के नेतृत्व में मिलकर पंजाब के लोगों की उम्मीदों को पूरा करें और उनके भरोसे पर खरा उतरें।''

दिल्ली सरकार के अधिकारी पिछले 10 वर्षों में 'मोटी चमड़ी' वाले हो गए हैं : वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली सरकार के अधिकारी पिछले 10 वर्षों में 'मोटी चमड़ी' वाले हो गए हैं और चर्बी कम करने के लिए उन्हें सड़कों पर उतरकर पसीना बहाना पड़ेगा। उन्होंने अक्षरधाम क्षेत्र में एक नाले की सफाई ठीक से नहीं करने को लेकर एक कार्यकारी अभियंता को निलंबित करने का आदेश दिया।

मंत्री की यह टिप्पणी विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता द्वारा मुख्य सचिव धर्मेंद्र को लिखे पत्र के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने दिल्ली सरकार के अधिकारियों पर विधायकों के पत्रों, फोन कॉल या संदेशों का जवाब नहीं देने का आरोप लगाया था।

वर्मा ने शुक्रवार को क्षेत्र के दौरे के दौरान कहा, ''समस्याएं हर जगह हैं। लेकिन हम कड़ी मेहनत करने और अधिकारियों से अपना काम करवाने के लिए दृढ़ संकल्प हैं।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली में पूरी व्यवस्था चरमराने के कगार पर थी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार अब सड़कों पर उतर आई है और मंत्री घंटों क्षेत्रों में जाकर स्थिति का मुआयना कर रहे हैं। अधिकारियों को सख्त निर्देश भी दिए गए हैं कि किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।''

वर्मा ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों (आम आदमी पार्टी के शासन) में सरकारी अधिकारी ''मोटी चमड़ी वाले'' हो गए हैं। उन्होंने कहा, ''जिस तरह हम क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं, अधिकारियों को भी अपनी चर्बी कम करने के लिए ऐसा ही करना होगा। उन्हें सार्वजनिक कोष से वेतन दिया जाता है और उन्हें लोगों के लिए काम करना ही होगा।''

पटपड़गंज में अक्षरधाम मंदिर के निकट नाले की सफाई का काम न होने पर नाराजगी जताते हुए वर्मा ने पीडब्ल्यूडी के कार्यकारी अभियंता रामाशीष सिंह को निलंबित करने का आदेश दिया।

मंत्री ने यह भी कहा कि नालों के माध्यम से यमुना में बहने वाले सीवेज के पानी का शोधन करने की क्षमता बढ़ाई जा रही है।

वर्मा ने कहा, ''मैंने हरियाणा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से वहां के नालों से यमुना में गिरने वाले औद्योगिक अपशिष्ट जल के शोधन के लिए बात की है।''

कोर्ट के आदेश के अनुसार मो. समीर का वीडियो हटा दिया गया

बेंगलूरु। श्री क्षेत्र धर्मस्थल के धर्माधिकारी डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ अपमानजनक वीडियो शेयर करने वाले यूट्यूबर समीर एमडी के खिलाफ कोर्ट ने आदेश जारी किया है। समीर ने अपने यूट्यूब चैनल पर जो वीडियो शेयर किया था, उसे प्रधान सिटी सिविल कोर्ट के आदेश के अनुसार हटा दिया है। इससे पहले, न्यायमूर्ति आर. देवदास की अध्यक्षता वाली कर्नाटक उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने आदेश दिया था कि महेश शेट्टी टिमरोडी और उनके अनुयायियों को श्री क्षेत्र धर्मस्थल, धर्माधिकारियों, परिवार के सदस्यों और धर्मस्थल से संबंधित संगठन के बारे में अपमानजनक बयान नहीं देना चाहिए।

मेन सिटी सिविल कोर्ट में यूट्यूबर समीर के खिलाफ पहले से ही एक अनिवार्य निरोधक आदेश है, जो उन्हें श्री क्षेत्र धर्मस्थल, धर्माधिकारियों, उनके परिवार के सदस्यों और धर्मस्थल से संबंधित किसी भी संगठन के खिलाफ अपमानजनक बयान देने या प्रचार वीडियो बनाने से रोकता है। इसके अलावा, समीर का वीडियो अन्य यूट्यूब चैनलों द्वारा भी शेयर किया गया था, और अदालत ने उन्हें भी हटाने का आदेश दिया है। न्यायालय के आदेश के बाद भी समीर एमडी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक और वीडियो अपलोड किया। श्रीक्षेत्र धर्मस्थल, धर्माधिकारियों, उनके परिवार के सदस्यों और धर्मस्थल से संबंधित संगठनों के खिलाफ अपमानजनक और अपमानजनक बयानों वाली कोई भी रिपोर्ट और सामग्री सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड न करें।

संसद में कर्नाटक में रेल परियोजनाओं पर मंत्री ने दिया जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए), बेंगलूरु तक सस्ती सार्वजनिक परिवहन पहुँच और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में सांसद जग्गेश द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए), बेंगलूरु तक सस्ती सार्वजनिक परिवहन पहुँच और कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों के बारे में जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में, बेंगलूरु कैंट और यशवंतपुर रेलवे स्टेशन से सुबह 05:10 बजे से 19:23 बजे के बीच चलने वाली छह जोड़ी मेमू ट्रेन सेवाओं द्वारा केआईए स्टेशन से जुड़े हुए हैं। ट्रेन सेवाओं का विस्तार एक सतत प्रक्रिया है, जो यातायात की मांग, व्यवहार्यता और संसाधन उपलब्धता के अधीन है। कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए, बेंगलूरु उपनगरीय रेल परियोजना (बीएसआरपी) को मंजूरी दी गई है, जिसे कर्नाटक सरकार और रेल मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया गया है। रेल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी (कर्नाटक) लिमिटेड (केआरआईडीई) द्वारा क्रियान्वित इस परियोजना में चार गलियारे केएसआर बेंगलूरु सिटी-देवनहल्ली, केंगेरी-व्हाइटफील्ड (35.52 किमी) और हीलालिगे-राजनकुंटे शामिल हैं। इससे शहर के कई स्थानों से दोनों हवाईअड्डा टर्मिनलों (टर्मिनल 1 और 2) तक सीधी उपनगरीय ट्रेन पहुंच उपलब्ध होगी, साथ ही प्रमुख बिंदुओं पर भारतीय रेलवे और नम्मा मेट्रो के लिए इंटरचेंज सुविधाएं भी होंगी। परियोजना का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिसमें भूमि अधिग्रहण, पर्यावरण मंजूरी और बुनियादी ढांचे का स्थानांतरण शामिल है।

चिकबानावर-हासन विद्युतीकरण के संबंध में सांसद नारायण कोरगप्पा द्वारा उठाए गए प्रश्न का उत्तर देते रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि 188 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से 165 किलोमीटर लंबी चिकबानावर - हासन (एचएएस) रेलवे लाइन का विद्युतीकरण पूरा हो गया है। इस परियोजना के लिए 2025-26 वित्तीय वर्ष में 5 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। श्रवणबेलगोला ट्रैक्शन सब-स्टेशन के लिए ट्रांसमिशन लाइन कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (केपीटीसीएल) से मंजूरी के लिए लंबित है। मंत्रालय कर्नाटक सरकार से सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए मंजूरी प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह करता है। इसके अलावा, ओवरहेड उपकरण (ओएचई) का उन्नयन एक सतत प्रक्रिया है, जो परिचालन और यातायात आवश्यकताओं के आधार पर की जाती है। इस खंड का विद्युतीकरण क्षेत्र में रेलवे की दक्षता और स्थिरता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'डबल इंजन' वाले राज्यों में अपराधों की संख्या अधिक : आप नेता संजय सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने दावा किया कि 'डबल इंजन की सरकारों वाले' राज्यों में अन्य प्रदेशों की अपेक्षा अपराध की घटनाएं बहुत बढ़ गयी हैं इसलिए केंद्रीय गृह मंत्रालय की दोगुनी जिम्मेदारी और जवाबदेही बनती है। गृह मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुयी चर्चा में भाग लेते हुए संजय सिंह ने कहा कि आज देश के अधिकतर राज्यों में 'डबल इंजन' की सरकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जहां भी जाते हैं, लोगों से कहते हैं कि वे 'डबल इंजन' की सरकार बनाएं।

सिंह ने कहा कि इसलिए देश में सुरक्षा के बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय की दोगुनी जिम्मेदारी और जवाबदेही है। उन्होंने राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 'डबल इंजन की सरकार' वाले राज्यों में होने वाले अपराधों की संख्या की तुलना उन राज्यों से करके देख लीजिए जहां ऐसी सरकारें नहीं हैं। उन्होंने कहा कि इस तुलना से पता चल जाएगा कि अपराध कहां अधिक होते हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में आज आम आदमी पार्टी की सरकार है और वहां के अपराध आंकड़ों की तुलना हरियाणा से कर लीजिए जहां की आबादी पंजाब से कम है किंतु फिर भी अपराध अधिक होते हैं।

सिंह ने कहा कि दिल्ली में सुरक्षा का दायित्व गृह मंत्रालय के तहत आता है और यह 'अपराधों का गढ़' बन गया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली जहां राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और सारे सांसद रहते हैं, उसकी सुरक्षा केंद्र सरकार से नहीं संभल रही है।

एयर इंडिया की हीथ्रो से संचालित कई उड़ानें प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/ लंदन/भाषा। एयर इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि लंदन स्थित हीथ्रो हवाई अड्डे पर परिचालन अस्थायी रूप से बंद होने से उसकी कई उड़ानें बाधित हो गई हैं जबकि कुछ उड़ानों को निरस्त करना पड़ा है। बिजली समस्या की वजह से लंदन हीथ्रो (एलएचआर) में परिचालन 21 मार्च को रात 11 बजकर 59 मिनट तक निलंबित कर दिया गया है।

एयर इंडिया के अलावा इस हवाई अड्डे से ब्रिटिश एयरवेज और वर्जिन अटलांटिक भी विभिन्न भारतीय शहरों के लिए रोजाना उड़ानों का संचालन करती हैं। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, मुंबई से लंदन हीथ्रो जाने वाली एआई129 उड़ान मुंबई लौट रही है जबकि दिल्ली से एआई161 फ्रैंकफर्ट की तरफ जा रही है। इसके साथ लंदन हीथ्रो से आने-जाने वाली हमारी सभी शेष उड़ानें 21 मार्च के लिए रद्द कर दी गई हैं। एयर इंडिया ने यह भी कहा कि लंदन गैटविक के लिए उसकी उड़ानें अप्रभावित रहेंगी। ब्रिटिश एयरवेज के पास भारत और एलएचआर के बीच प्रतिदिन आठ उड़ानें हैं जबकि वर्जिन अटलांटिक के पास दिल्ली, मुंबई और बेंगलूरु से एलएचआर के लिए प्रतिदिन पांच उड़ानें हैं। विमानन विश्लेषण फर्म सिरियम ने कहा कि लगभग 1,45,000 से अधिक यात्री इस घटना की वजह से प्रभावित हो सकते हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 654.271 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 मार्च को समाप्त सप्ताह में 30.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 654.271 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इसके एक सप्ताह पहले देश का विदेशी मुद्रा भंडार 15.267 अरब डॉलर बढ़कर 653.966 अरब डॉलर हो गया था। यह दो वर्षों में किसी एक सप्ताह में आया सबसे तेज उछाल था।

इस उछाल का श्रेय 28 फरवरी को केंद्रीय बैंक द्वारा किए गए 10 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा विनिमय को दिया गया।

रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद के लिए आरबीआई द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ पुनर्मूल्यांकन के कारण हाल ही में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट का रुख रहा है। सितंबर 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

भाजपा नीत केंद्र सरकार ने किसानों के साथ 'विश्वासघात' किया : चन्नी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने शुक्रवार को भाजपा नीत केंद्र सरकार पर किसानों के साथ ''विश्वासघात'' करने का आरोप लगाया और कहा कि वह न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर अपना वादा पूरा करने में विफल रही है।

पंजाब पुलिस द्वारा सरवन सिंह पंधेर और जगजीत सिंह डल्लेवाल सहित कई किसान नेताओं को हिरासत में लिये जाने के बाद उन्होंने केंद्र पर यह आरोप लगाया। लोकसभा में कृषि मंत्रालय के लिए अनुदानों की मांगों पर चर्चा के दौरान चन्नी ने कहा, ''यह (केंद्र) सरकार आज किसानों के आंदोलन को दबा रही है। यह पंजाब सरकार के साथ मिल कर किसानों के साथ खिलवाड़ कर रही है।'' सरकार ने प्रदर्शनकारी किसान नेताओं से बातचीत का वादा करते हुए डल्लेवाल से भूख हड़ताल खत्म करने को कहा था। कांग्रेस सांसद ने कहा, ''लेकिन जब वे (किसान नेता) बैठकें कर रहे थे, पुलिस आंदोलन को खत्म करने की तैयारी कर रही थी। रात के अंधरे में जाकर (आंदोलनकारी) किसानों को उठा दिया। जब किसान को विश्वास में लेकर ऐसा किया जाएगा तो कैसे चलेगा।'' चन्नी ने कहा, ''दिल्ली में कुछ साल पहले हुए किसान आंदोलन में 750 किसान शहीद हो गए। सरकार ने पहले किसानों से वादा किया था कि उन्हें एमएसपी दिया जाएगा और उनकी मांगें पूरी की जाएंगी। लेकिन कुछ नहीं हुआ। जब किसानों ने अपना आंदोलन फिर शुरू किया, तो उन्हें दिल्ली कूच करने से रोक दिया गया।''

भारत का कोयला उत्पादन एक अरब टन के पार, पीएम ने इसे ''देश के लिए गौरव का क्षण'' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में एक अरब टन कोयला उत्पादन का रिकॉर्ड आंकड़ा पार कर लिया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को देश के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि यह ऊर्जा सुरक्षा तथा आत्मनिर्भरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

कोयले का उपयोग मुख्य रूप से बिजली उत्पादन के साथ-साथ कई उद्योगों में ईंधन के रूप में किया जाता है। यह विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य ऊर्जा स्रोत है। भारत ने 2023-24 (अप्रैल 2023 से मार्च 2024) में 99.783 करोड़ टन कोयला उत्पादन किया। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, चालू वित्त वर्ष में एक अरब टन कोयला उत्पादन '' भारत के लिए गर्व का क्षण।'' उन्होंने कहा, '' एक अरब टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है, जो ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि और आत्मनिर्भरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' मोदी ने कहा कि यह उपलब्धि इस क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों की लगन और कड़ी मेहनत को भी दर्शाती है।

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी के सोशल मीडिया 'पोस्ट' पर टिप्पणी करते हुए यह बात की। रेड्डी ने ही इस उपलब्धि की घोषणा करते हुए लिखा '' यह उपलब्धि हमारी बढ़ती हुई बिजली मांग को पूरा करेगी, आर्थिक वृद्धि को गति देगी तथा प्रत्येक भारतीय के लिए उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करेगी।''

कोयला मंत्रालय की कार्ययोजना वित्त वर्ष 2024-25 के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के लिए कोयला उत्पादन/उठान लक्ष्य 108 करोड़ टन है।

व्यापार समझौते के मसौदे पर अमेरिका के साथ बातचीत जारी : भारत

नई दिल्ली/भाषा। सीमा शुल्क घोषणा से उपजे हालात के बीच भारत ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के साथ एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते की रूपरेखा बनाने के लिए बातचीत जारी है जो शुल्क और बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों को हल करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत से आयात होने वाले उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने की समयसीमा खत्म होने में सिर्फ 11 दिन रह गए हैं। ट्रंप ने दो अप्रैल से जवाबी शुल्क की व्यवस्था लागू हो जाने की बात दोहराई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत एक पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार समझौते पर पहुंचने के लिए ''विभिन्न स्तरों'' पर अमेरिकी प्रशासन के साथ संपर्क में है। हालांकि, उन्होंने सीधे तौर पर इन सवालों का जवाब नहीं दिया कि क्या भारत ट्रंप के जवाबी शुल्क से किसी तरह की छूट की उम्मीद कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने बुधवार को ऐसे संकेत दिए थे कि अमेरिका नई शुल्क व्यवस्था से भारत को कोई छूट नहीं देगा। ट्रंप ने कहा था कि उनका भारत के साथ बहुत अच्छा संबंध है, लेकिन भारत की शुल्क संरचना के साथ ''समस्या'' है। जायसवाल ने कहा, ''भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं।''

लोकसभा में भी कई सदस्य 'ओवरवेट' हैं, साल में एक बार स्वास्थ्य जांच जरूर कराएं : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने शुक्रवार को लोकसभा में सभी सदस्यों से साल में कम से कम एक बार पूरी स्वास्थ्य जांच कराने की अपील करते हुए कहा कि ''यहां कई सदस्य हैं जो ओवरवेट (आवश्यकता से अधिक वजन वाले) हैं।''

नड्डा ने प्रश्नकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''हम आप सभी के स्वास्थ्य की चिंता रखते हैं। मेरा सभी सदस्यों से आग्रह है कि साल में कम से कम एक बार पूरी स्वास्थ्य जांच जरूर कराएं और इसके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय तैयार बैठा है।'' लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंत्री से कहा, ''आप तो सदस्यों से कहें कि वे अपने क्षेत्र की जनता की स्वास्थ्य जांच कराएं।'' इस पर मंत्री ने कहा कि जनता की जांच तो जरूरी है ही, लेकिन सदस्यों को भी अपनी मेडिकल जांच करानी चाहिए और ''यहां बैठे कई सदस्य 'ओवरवेट' हैं।'' नड्डा ने देश में कैंसर और टीबी समेत विभिन्न रोगों की स्क्रीनिंग के लिए चलाए जा रहे अभियानों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत 30 साल से अधिक उम्र के सभी नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच का अभियान शुरू किया है। इसमें उच्च रक्तचाप, मधुमेह और कैंसर की निशुल्क स्क्रीनिंग की जाती है। मंत्री ने कहा कि अभियान शुरू होने के बाद से अब तक 35 करोड़ लोगों की जांच की गई है, जिनमें से 4.2 करोड़ लोग उच्च रक्तचाप से पीड़ित पाए गए और 2.6 करोड़ लोग मधुमेह से पीड़ित पाए गए। उन्होंने कहा कि 29.35 करोड़ लोगों की मुख कैंसर के लिए जांच की गई, जिनमें से 1.18 करोड़ लोगों में कैंसर पाया गया। उन्होंने देश में टीबी उन्मूलन से संबंधित एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि अब एक ऐसी मशीन से टीबी स्क्रीनिंग शुरू की

लंबित आपूर्ति के 40% मामले निपटाए, मार्च अंत तक बाकी आपूर्ति: ओला इलेक्ट्रिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओला इलेक्ट्रिक ने बिक्री आंकड़ों में विसंगतियों पर शुक्रवार को कहा कि फरवरी में आपूर्तिकर्ताओं के साथ बातचीत जारी होने से पैदा हुई लंबित आपूर्ति में से 40 प्रतिशत मामलों का निपटारा कर दिया गया है। साथ ही शेष आपूर्ति भी मार्च के अंत तक कर दी जाएगी।

कंपनी ने कहा कि फरवरी में उसकी बिक्री अच्छी रही थी और उसका ध्यान मार्च के अंत तक सभी लंबित आपूर्ति का निपटान करने पर केंद्रित है। ओला इलेक्ट्रिक ने पहले कहा था कि उसने फरवरी में 25,000 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बेचे हैं। हालांकि सरकार के 'वाहन पोर्टल' पर ओला इलेक्ट्रिक के सिर्फ 8,651 स्कूटरों का ही पंजीकरण हुआ है। 'वाहन पोर्टल' पर 20 मार्च तक कंपनी के पंजीकृत वाहनों की संख्या 11,781 थी। कंपनी ने इस विसंगति से पैदा हुए विवाद के बीच कहा, ''फरवरी में अस्थायी विलंब का कारण वाहन पंजीकरण के लिए जिम्मेदार हमारे आपूर्तिकर्ताओं के साथ जारी बातचीत थी।'' ओला इलेक्ट्रिक ने कहा, ''इस लंबित आपूर्ति को तेजी से निपटाया जा रहा है, दैनिक पंजीकरण हमारे तीन महीने के दैनिक बिक्री औसत के 50 प्रतिशत से अधिक है। फरवरी की लंबित आपूर्ति में से करीब 40 प्रतिशत का पहले ही निपटारा हो गया है और शेष का मार्च 2025 के अंत तक निपटान कर दिया जाएगा।'' कंपनी ने बिक्री आंकड़ों में विसंगतियों पर कहा, ''यह साफ तौर पर अस्थायी पंजीकरण लंबित मामलों से जुड़ा हुआ है। फिर भी निहित स्वार्थों ने इसे गलत सूचना और बदनाम करने वाले अभियान के जरिये जानबूझकर नियामकीय मुद्दे के रूप में पेश किया है।'' इस बीच भारी उद्योग और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने 'वाहन पोर्टल' पर वाहनों के पंजीकरण तथा शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुरूप बिक्री में अंतर को लेकर ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड से जानकारी मांगी है। ओला इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि ''व्यापार प्रमाणपत्रों की आवश्यकता का अनुपालन न करने'' संबंधी रिपोर्ट पर भी उससे स्पष्टीकरण मांगा है। इसके अलावा कंपनी ने कहा कि उसे चार राज्यों में अपने कुछ स्टोर के लिए व्यापार प्रमाणपत्र के संबंध में नोटिस मिले हैं।

चैत्र कृष्ण - 8 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 233 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 22-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 युवा समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में समर्पण भाव से आएं आगे

6 क्या भविष्य में परस्पर संघर्ष का कारण बनेगा जल?

7 सिंगिंग डेब्यू पर मन्नारा चोपड़ा बोलीं, संगीत मेरे दिल के करीब

फर्स्ट टेक

बैंक कर्मचारी संगठनों ने दो-दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल टाली

नई दिल्ली/भाषा। बैंक कर्मचारी संगठनों ने शुक्रवार को वित्त मंत्रालय और आईबीए से अपनी मांगों पर सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद अपनी दो-दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल टाल दी। पूर्व-निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक, देशभर के बैंकों में सोमवार से दो-दिवसीय हड़ताल शुरू होनी थी। नौ बैंक कर्मचारी संघों के एकीकृत निकाय यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 24-25 मार्च को हड़ताल का आह्वान किया था। बैंक कर्मचारी संगठनों की प्रमुख मांगों में कामकाजी सप्ताह को पांच दिनों का करना और सभी कर्मचारी संवर्गों में पर्याप्त भर्ती करना शामिल हैं। प्रस्तावित हड़ताल को टालने का फैसला मुख्य श्रम आयुक्त के समक्ष लिया गया, जिन्होंने सभी पक्षों को सुलह बैठक के लिए बुलाया था।

पनामा में 6.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गए

पनामा सिटी/एपी। पनामा के प्रशांत तट पर शुक्रवार को भूकंप के जबरदस्त झटके महसूस किये गये, लेकिन राजधानी में इसका अधिक प्रभाव नहीं दिखा। 'यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे' के अनुसार, भूकंप का केंद्र प्रशांत महासागर में बुरीका से लगभग 123 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व में था और इसकी तीव्रता 6.2 थी। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। राष्ट्रीय नागरिक रक्षा सेवा केंद्र ने कहा कि मध्य पनामा के कई प्रांतों में भी भूकंप के झटके महसूस किये गये, लेकिन किसी के घायल होने या क्षति की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

पाकिस्तान ने आठ लाख से अधिक अफगानों को वापस भेजा

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे अफगान नागरिकों की वापसी की प्रक्रिया लगातार जारी है और 20 मार्च तक आठ लाख से अधिक लोगों को उनके देश वापस भेजा जा चुका है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान सरकार ने 31 मार्च की समय-सीमा तय की है जिसके तहत अवैध रूप से रह रहे लोगों और अफगान नागरिक कार्ड धारकों को देश छोड़ना होगा। इसी के तहत अब तक 8,74,282 अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया है। सरकार ने यह कदम आतंकवाद से जुड़ी चिंताओं के चलते उठाया है। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि इस प्रक्रिया में किसी के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा।

गीता के कर्मयोग की वास्तविक प्रयोगशाला है एम्स : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान(एम्स) नई दिल्ली के चिकित्सा के हर क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान का उल्लेख करते हुए शुक्रवार को कहा कि यह गीता के कर्मयोग की वास्तविक प्रयोगशाला है।

श्रीमती मुर्मु ने संस्थान के दीक्षांत समारोह मे कहा कि यह एक ऐसा संस्थान है, जिसने स्वास्थ्य सेवा, चिकित्सा शिक्षा और जीवन विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता हासिल करके दुनिया भर में प्रतिष्ठा अर्जित की है। यह उन लाखों रोगियों के लिए आशा का प्रतीक है, जो अक्सर दूर-दूर से इलाज के लिए आते हैं। इसके संकाय, पैरामेडिक्स और गैर-चिकित्सा कर्मचारियों की मदद से वंचितों और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों का समान समर्पण और सहानुभूति के साथ इलाज करते हैं। उन्होंने कहा कि यह कहा जा सकता है कि एम्स गीता के कर्म योग की चलती प्रयोगशाला है।

राष्ट्रपति ने कहा कि एम्स ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह एक गौरवपूर्ण मेड-इन-इंडिया सफलता की कहानी है और पूरे देश में अनुकरणीय मॉडल है। अपने अस्तित्व के 69 वर्षों में, ब्रांड एम्स मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण समय की कसौटी पर खरा उतरा है। नवीन शोध और रोगी देखभाल के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता वास्तव में सराहनीय है। श्रीमती मुर्मु ने एम्स द्वारा अपने सभी प्रयासों में सुशासन, पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए उठाए गए कदमों पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन के स्वस्थ विकास के लिए सुशासन आवश्यक है और एम्स इसका अपवाद नहीं है। इसकी जिम्मेदारी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान से परे है। भावनात्मक स्वास्थ्य के मुद्दे पर बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यह आज की दुनिया में एक गंभीर चुनौती है। उन्होंने कहा कि किसी के लिए भी, खासकर युवा पीढ़ी के लिए निराशा की कोई गुंजाइश नहीं है।

राम मंदिर के लिए अगर सत्ता भी गंवानी पड़े तो कोई समस्या नहीं : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राम मंदिर के लिए अगर सत्ता भी गंवानी पड़े तो कोई समस्या नहीं है।

योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को अयोध्या में साहित्य महोत्सव की शुरुआत करने के बाद अपने संबोधन में 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद अयोध्या के विकास और राम मंदिर के प्रति अपनी आस्था का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उनकी तीन पीढ़ियां (गोरक्षपीठ के दिवंगत महंत दिग्विजय नाथ, ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ, स्वयं योगी आदित्यनाथ) राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए समर्पित थीं। उन्होंने एक प्रसंग सुनाते हुए कहा, ''मुझे कोई समस्या नहीं थी, लेकिन... नौकरशाही में एक बड़ा वर्ग ऐसा था जो कहता था कि अयोध्या जाने में भी विवाद खड़ा होगा...मैंने कहा कि विवाद खड़ा होता है, हो लेकिन अयोध्या के बारे में भी सोचने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''एक वर्ग ऐसा था जिसने कहा कि आप जाएंगे तो फिर राम मंदिर की बात होगी, मैंने कहा कौन हम सत्ता के लिए आए हैं। राम मंदिर के लिए अगर सत्ता भी गंवानी पड़े तो कोई समस्या नहीं है।''

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आजीविका का भी बन रही आधार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि आस्था की वजह से अयोध्या में देश और दुनिया से उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ आजीविका का भी आधार बन रही है। उन्होंने कहा, ''देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालु अयोध्या को देखने के लिए उत्सुक हैं। आज भी यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ है। यह केवल आस्था नहीं है, यह आजीविका का भी आधार बन रही है। यह विरासत विकास का आधार बन रही है।''

मणिपुर के राहत शिविर में नौ वर्षीय बच्ची मृत मिली, दुष्कर्म की आशंका

चुराचांदपुर/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले के एक राहत शिविर में शुक्रवार तड़के नौ वर्षीय बच्ची मृत पाई गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बच्ची शाम से लापता थी और उसके परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि बच्ची का शव रात में राहत शिविर परिसर में मिला जिसके बाद प्रशासन को सूचित किया गया।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से 'बड़ी मात्रा में नकदी बरामद'

वकीलों ने तबादला करने पर उठाया सवाल, इस्तीफे की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आधिकारिक आवास से कथित तौर पर बड़ी मात्रा में नकदी मिलने के बाद विधि विशेषज्ञों ने इसपर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और उनका कथित तौर पर तबादला करने के कॉलेजियम के फैसले पर सवाल उठाते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है।

वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने मामले को 'बहुत गंभीर' बताते हुए कहा कि न्यायाधीश को इस्तीफा देने के लिए कहा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक न्यायाधीश से 'पूरी तरह ईमानदार' होने की अपेक्षा की जाती है और यह एक ऐसा पेशा है, जिसमें इसे (भ्रष्टाचार को) बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिये। सिंह ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस तरह के मामले में तबादला कोई समाधान नहीं है। उनसे इस्तीफा देने को कहा जाना चाहिए।''

वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय को आंतरिक जांच करानी चाहिए और न्यायाधीश को अपनी बात कहने का अवसर देकर सभी तथ्यों का पता लगाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''न्यायाधीश की प्रतिष्ठा है, इसलिए उन्हें बरामदगी के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए। यह ऐसा मामला नहीं है, जिसे दबाया जा सके।''

वरिष्ठ अधिवक्ता एवं सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति वर्मा के मामले पर टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि ''न्यायपालिका के भीतर भ्रष्टाचार का मुद्दा बहुत गंभीर है''। उन्होंने कहा कि यह कोई पहली बार नहीं है, जब देश के वरिष्ठ अधिवक्ताओं और वकीलों ने ऐसी बात कही हो।

अगले साल 31 मार्च तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राज्यसभा में जोर दिया कि अगले साल 31 मार्च तक देश से नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने गृह मंत्रालय के कामकाज पर राज्यसभा में हुयी चर्चा का जवाब देते हुए कहा, ''मोदी सरकार के 10 वर्षों का परिश्रम, बारीक आयोजन, विकास की भूख, सुनियोजित योजना और संसाधनों के सही आवंटन के आधार पर मैं कहता हूं कि 31 मार्च 2026 तक इस देश से नक्सलवाद समाप्त कर दिया जाएगा।''

गृह मंत्री शाह ने कहा, ''संवाद, सुरक्षा और समन्वय के तीन सिद्धांतों को अपनाकर हमने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। हमने नवीनतम प्रौद्योगिकी के साथ नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई की शुरुआत की। लोकेशन ट्रैकिंग, मोबाइल फोन की गतिविधियां, सोशल मीडिया गतिविधियों की समीक्षा, इनकी कूरियर सर्विस का रेखांकन और उनके परिवारों की आवाजाही का रेखांकन... इन सभी को एकत्र कर हमने सुरक्षा बलों को सूचना से लैस किया।''

उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 तक कांग्रेस की सरकार थी, उस दौरान 16,463 नक्सली हिंसा की घटनाएं हुई थीं और अब इसमें 53 प्रतिशत की कमी आई है।

अब कोई विस्फोट करने की हिम्मत नहीं कर सकता

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में शुक्रवार को कहा कि अब कोई भी व्यक्ति विस्फोट करके भागने की हिम्मत नहीं कर सकता, जैसा कि देश में पहले हुआ करता था। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। गृह मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में हुई चर्चा का जवाब दे रहे शाह ने कहा कि देश में पहले अक्सर विस्फोट होते थे। उन्होंने कहा कि 2008 में मुंबई में आतंकवादी हमला हुआ था। ''लेकिन पिछली सरकारों में आतंकवादियों के खिलाफ वैसी कठोर कार्रवाई नहीं की जाती थी जैसी होनी चाहिए थी।'' उन्होंने राज्यसभा में कहा, ''एक समय था जब बम विस्फोट होना आम बात थी। मैं देश के लोगों को बताना चाहता हूं कि पिछले 10 वर्षों से बम विस्फोटों का सिलसिला बंद हो गया है। अब कोई भी व्यक्ति बम विस्फोट करने की हिम्मत नहीं कर सकता। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित है। हम आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

भारत को 'फूड बास्केट' बनाया जाएगा, किसानों को डिजिटल पहचान पत्र देंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को लोकसभा में किसान कल्याण की प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि भारत को विश्व का ''फूड बास्केट'' बनाया जाएगा और डिजिटल क्रांति का लाभ किसानों को पहुंचाने के लिए सभी कृषकों को एक डिजिटल पहचान पत्र दिया जाएगा।

विपक्षी सदस्यों के शोरगुल के बीच उन्होंने कहा कि आलोचनाओं का स्वागत है लेकिन क्या आलोचना केवल आलोचना करने के लिए की जाएगी और क्या तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाएगा। मंत्री के जवाब के बाद, सदन ने विपक्ष के कुछ सदस्यों के कटौती प्रस्तावों को खारिज करते हुए कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदानों की मांगों को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

इससे पहले चौहान ने अपने जवाब में कहा, ''किसान अन्न दाता हैं और अन्न दाता जीवन दाता होते हैं। किसानों की सेवा हमारे लिए भगवान से बढ़ कर है। हम इसमें कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'' उन्होंने कहा, ''माननीय सदस्यों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि जो भी सकारात्मक सुझाव दिये गए हैं, कृषि मंत्री होने के नाते उनपर मैं गंभीरता पूर्वक विचार करूंगा।''

चौहान ने कहा, ''मैं सोचता था कि विपक्ष सार्थक चर्चा करेगा, किसानों की उन्हें चिंता होगी लेकिन पूरी बहस के दौरान खोदा पहाड़ निकली मरी हुई चूहिया।''

22-03-2025 सूर्यास्त 6:19 बजे | 23-03-2025 सूर्योदय 6:11 बजे

BSE 76,905.51 (+557.45) | NSE 23,350.40 (+159.75)

सोना 9,267 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 113,000 रु. प्रति किलो

मस्क के व्यापारिक हितों को लेकर चिंतित ट्रंप

युद्ध की योजनाएं साझा न करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि युद्ध की योजनाओं को उनके सलाहकार एलन मस्क के साथ उनके व्यापारिक हितों के कारण साझा नहीं किया जाना चाहिए। ट्रंप के इस बयान को प्रशासन में अरबपति उद्यमी की व्यापक भूमिका को सीमित करने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप ने यह टिप्पणी ओवल ऑफिस (राष्ट्रपति कार्यालय) में एक नये लड़ाकू विमान के विकास पर आयोजित बैठक के दौरान की। उन्होंने उन खबरों को खारिज कर दिया कि मस्क को यह बताया जाएगा कि अमेरिका चीन के साथ परिकल्पित युद्ध कैसे लड़ेगा।

रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े राष्ट्रपति ने कहा, ''एलन का चीन में कारोबार है। और शायद वह इसके लिए अतिसंवेदनशील होंगे।''

हालांकि, उन्होंने मस्क की राष्ट्रभक्ति की सराहना की।

ट्रंप ने इससे पहले मस्क के संभावित हितों के टकराव के बारे में पूछे गए सवालों को यह कहते हुए टाल दिया था कि जब आवश्यक होगा, तब वह इन सवालों के जवाब देंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि मस्क ने शुक्रवार सुबह लागत कम करने पर चर्चा करने के लिए पेंटागन (अमेरिकी रक्षा विभाग का मुख्यालय) का दौरा किया, जिस पर वह सरकारी दक्षता विभाग के माध्यम से काम कर रहे हैं।

द्रमुक द्वारा परिसीमन के मुद्दे पर जेएसी की पहली बैठक आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने परिसीमन पर 22 मार्च को राज्यों की पहली बैठक आयोजित करने की पूरी तैयारी कर ली है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि यह एक बैठक से कहीं अधिक है क्योंकि यह एक आंदोलन के आगाज का प्रतीक होगा जो निष्पक्ष परिसीमन करने के संदर्भ में देश के भविष्य को आकार देगा।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन बैठक में हिस्सा लेने के लिए यहां पहुंच चुके हैं। यह बैठक द्रमुक द्वारा प्रस्तावित संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के तत्वावधान में आयोजित की जाएगी। पंजाब और तेलंगाना के मुख्यमंत्री क्रमश: भगवंत मान और रेवंत रेड्डी उन नेताओं में शामिल हैं जिनके इस विचार-विमर्श में हिस्सा लेने की उम्मीद है।

बैठक में हिस्सा लेने के लिए द्रमुक ने केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पंजाब से संपर्क किया है।

स्टालिन ने बैठक की पूर्व संध्या पर कहा, ''भारतीय संघवाद के लिए एक ऐतिहासिक दिन!'' वहीं केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि परिसीमन पर बैठक ''भ्रमित करने वाला एक नाटक'' है।

स्टालिन ने कहा, ''मैं केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पंजाब के नेताओं का हार्दिक स्वागत करता हूं, जो निष्पक्ष परिसीमन पर संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक में हमारे साथ शामिल हो रहे हैं।''

मुख्यमंत्री स्टालिन ने पांच मार्च को यहां द्रमुक के नेतृत्व में आयोजित सर्वदलीय बैठक को एक ''ऐतिहासिक क्षण'' बताया जिसमें 58 दलों ने एक ही मुद्दे के लिए मतभेदों को दरकिनार करते हुए हिस्सा लिया।

विजयन सहित कई नेता बैठक में हिस्सा लेने के लिए तमिलनाडु पहुंचे

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)की ओर से परिसीमन के मुद्दे पर चर्चा के लिए चेन्नई में 22 मार्च को बुलाई गई बैठक में हिस्सा लेने के लिए कई नेता शुक्रवार शाम यहां पहुंचे। बैठक से पहले चेन्नई नगर निगम की कार्यालय इमारत रिपन बिल्डिंग को रंगीन रोशनी से सजाया गया है। संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) की बैठक के प्रति समर्थन दिखाने के लिए आकर्षक मरीना बीच पर मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की रेत की आकृति बनाई गई है।

केरल, तेलंगाना और पंजाब के मुख्यमंत्री क्रमश: पिनराई विजयन, रेवंत रेड्डी, भगवंत सिंह मान और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के कार्यकारी अध्यक्ष बलविंदर सिंह भुंडर तथा इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग केरल के महासचिव पीएमए सलाम उन नेताओं में शामिल हैं, जो स्टालिन की अध्यक्षता में होने वाली द्रमुक की जेएसी बैठक में हिस्सा लेने के लिए चेन्नई पहुंचे।

परिसीमन पर द्रमुक की बैठक में शामिल नहीं होगी तृणमूल कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा चेन्नई में 22 मार्च को परिसीमन पर बुलाई गई राज्यों की बैठक में अपना कोई प्रतिनिधि नहीं भेजेगी। तृणमूल के एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्र ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस को लगता है कि मतदाता पहचान-पत्र क्रमांक के दोहराव का मुद्दा वर्तमान में अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका बिहार, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों पर असर पड़ सकता है। बिहार में विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने हैं, जबकि केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव 2026 में होने हैं। स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक ने बैठक के लिए सात राज्यों- केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पंजाब संपर्क किया है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्या खुदा...

क्या खुदा खुश होता है,
किसी के बेदखल होने पर।
क्या वह नाराज होता है,
इबादत में खलल होने पर।
क्या उदास होता है कभी,
आपस में टसल होने पर।
हां, कराहता जरूर है,
इंसानियत कतल होने पर।।

भावी पीढ़ी के लिए हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का लें संकल्प : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार ने मिशन हरियालो राजस्थान के तहत 50 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसके अंतर्गत वर्ष 2024-25 में प्रदेश में 7 करोड़ पौधे लगाए गए तथा बजट वर्ष 2025-26 की घोषणा की अनुपालना में इस वर्ष 10 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे।

शर्मा शुक्रवार को विश्व वानिकी दिवस के अवसर पर जयपुर के राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमारी संस्कृति में पेड़, प्रकृति एवं पहाड़ों की पूजा की जाती है तथा राजस्थान का पर्यावरण संरक्षण से पुराना नाता रहा है। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हम वनों को बचाने और अपनी जैव-विविधता को संरक्षित करने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरा भरा और स्वस्थ राजस्थान बनाने का संकल्प लें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी वन, पर्यावरण एवं जलवायु संतुलन के प्रयासों में एक वैश्विक लीडर बनकर उभरे हैं। ग्लासगो में आयोजित कोप 26 के दौरान प्रधानमंत्री जी ने दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पांच प्रतिबद्धताएं अर्थात पांच अमृत तत्व रखे हैं, जिनमें वन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय वन्यजीव मंडल की बैठक में गोडावण पर राज्य में किए जा रहे संरक्षण कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय गोडावण संरक्षण एक्शन प्लान की भी घोषणा की है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के आह्वान पर हमारी सरकार श्री आर यानी रिड्यूस, रीयूज ओर रीसाइकल को बढ़ावा देकर कचरे के प्रभावी प्रबंधन, जल संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा और संसाधन दक्षता पर विशेष ध्यान दे रही है। इसी दिशा में हमारी सरकार ने बजट 2025-26 में राजस्थान सर्कुलर इकोनॉमी इन्सेंटिव स्कीम 2025 की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं, जिससे प्रदेश की देशभर में नई पहचान बन रही है। उन्होंने कहा कि हरित आवरण में कृषि वानिकी की इस महत्वपूर्ण भूमिका को समझते हुए हमारी सरकार राज्य में पहली बार कृषि वानिकी नीति ला रही है। इसी तरह राज्य सरकार द्वारा स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण एवं विस्तार हेतु एक जिला एक प्रजाति कार्यक्रम, सभी जिलों में मातृ वन की स्थापना, वन रक्षकों की भर्ती जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। साथ ही, हमारी सरकार द्वारा ग्रासलैंड के महत्व को समझते हुए राज्य में वृहद स्तर पर ग्रासलैंड संरक्षण एवं विकास के कार्य एवं घड़ियाल संरक्षण के लिए सवाई माधोपुर में पालीघाट के निकट एक घड़ियाल रियरिंग सेंटर की स्थापना की जा रही है।

शर्मा ने इस अवसर पर वन विभाग द्वारा विभागीय कार्यों में पारदर्शिता लाने हेतु नवीनतम आईटी तकनीक के उपयोग से विकसित 'डिजी-वन-फोरेस्ट स्टैक' एप का शुभारम्भ किया, जो कि देशभर का पहला डिजिटल फोरेस्ट स्टेक है। साथ ही, उन्होंने सीतामाता वन्यजीव अभ्यारण्य में इको टूरिज्म फैसिलिटीज तथा केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर व नाहरगढ़ बायोलोजिकल पार्क में गोल्फ कार्ट सुविधा को प्रदेश की जनता को समर्पित किया। इस अवसर पर वन मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं राजस्थान में जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया और पारिस्थितिकी तंत्र सेवा संवर्धन (सीआरईएसईपी) के लोगो का अनावरण तथा वन प्रशिक्षण एवं प्रबंध संस्थान का रिमोट का बटन दबाकर डिजिटल माध्यम से शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने वनमित्रों को किट वितरित किए तथा वन विभाग में कार्यरत महिला कार्मिकों को भी उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पौधरोपण किया तथा गोल्फ कार्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वृक्षारोपण को एक जन अभियान बनाने के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश में हुए उत्कृष्ट कार्यों का प्रधानमंत्री जी ने मन की बात कार्यक्रम में विशेष उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पौधरोपण के साथ-साथ उनकी सुरक्षा के लिए मॉनिटरिंग की भी अनूठी व्यवस्था की गई है।

इसी तरह वन विभाग द्वारा वन सुरक्षा एवं प्रबंधन समिति के रजिस्ट्रीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। जापान इंटरनेशनल कॉपरेशन एजेन्सी (जाइका) के एजि वाकामास्तु द्वारा भी कार्यक्रम को संबोधित किया गया। समारोह में विधायक महेन्द्र पाल मीणा, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन श्रीमती अपर्णा अरोड़ा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरिजीत बनर्जी, शासन सचिव सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार श्रीमती अर्चना सिंह, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के प्रबंध निदेशक निधु सक्सेना सहित संबंधित विभाग के अधिकारीगण एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

बूंदी में वरिष्ठ सहायक (रीडर) व उसका दलाल 50000 रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एक दल ने बूंदी जिले के नैनवा उपखंड कार्यालय में कार्यरत वरिष्ठ सहायक (रीडर) और उसके दलाल को परिवादी से लंबित वाद में स्थगन आदेश करवाने की एवज में पचास हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान से मिली। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि बूंदी जिले के नैनवा के उपखंड अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक (रीडर) मारूती नन्दन और उसके दलाल नंदलाल खन्ना को परिवादी से 50000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने एक बयान में बताया कि ब्यूरो को शिकायत मिली थी कि उपखण्ड कार्यालय नैनवा में परिवादी के लम्बित वाद में स्थगन आदेश करवाने की एवज में आरोपी द्वारा परिवादी से 50000 रुपये की रिश्वत मांगकर उसे परेशान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिकायत के सत्यापन के बाद दल ने नैनवा के उपखंड अधिकारी कार्यालय के वरिष्ठ सहायक (रीडर) मारूती नन्दन और उसके दलाल नंदलाल खन्ना को परिवादी से 50000 रुपये की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि नंदलाल खन्ना उपखंड कार्यालय में एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी है। उन्होंने बताया कि आरोपियों से पूछताछ और आगे की कार्यवाही जारी है। उन्होंने बताया कि ब्यूरो द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज करके आगे की जांच की जायेगी।

युवा समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण में समर्पण भाव से आएं आगे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने युवा पीढ़ी से समय का पूरा-पूरा सदुपयोग करने और लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव रखते हुए समृद्धशाली और सम्पन्न भारत के निर्माण के प्रति कृतसंकल्प होकर कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा है कि वे समाज एवं देश के विकास में अपनी अहम भूमिकाओं का निर्वाह करते हुए विकसित भारत-2047 की संकल्पना को पूरा करने में अपनी आत्मीय भागीदारी सुनिश्चित करें।

बागड़े ने शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के 21वें दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रहे थे। राज्यपाल ने विभिन्न संतों एवं महापुरुषों के उपदेशों और वाणियों को उद्धृत करते हुए कहा कि शिक्षा समग्र जीवन-दृष्टि को विकसित करते हुए लोक कल्याण की धाराओं को तीव्रतर करने का सशक्त माध्यम है। शिक्षा ऐसी हो जो व्यक्तित्व का विकास करे। इससे युवा रोजगार पाने के इच्छुक नहीं बल्कि रोजगार दाता बनें।

उन्होंने एआई तकनीक का सावधानीपूर्वक उपयोग करने पर बल देते हुए कहा कि तकनीकी ज्ञान का उपयोग करें पर सावधानी जरूर रखें। बागड़े ने 55 स्वर्णपदकों में से 38 पदक बेटियों को मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बेटियां हमारा गौरव हैं, वे आगे बढेंगी तभी समाज तेजी से आगे बढ़ेगा।

दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत वर्चुअल माध्यम से जुड़े और शेखावत ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि विश्वद्यालय की मनीषा परंपरा, सीखने की जिज्ञासा और निरंतर ज्ञान अर्जन की इच्छाशक्ति को जारी रखें।

दीक्षांत समारोह में कुल 51 हजार 402 उपाधियों का अनुमोदन किया गया। इसमें स्नातक स्तर की 46 हजार 188 और स्नातकोत्तर की पांच हजार 214 उपाधियां शामिल हैं। इसके साथ ही दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा 60 गोल्ड मेडल प्रदान किए गए, जिसमें 53 स्वर्ण पदक, एक कुलाधिपति पदक, चार डोनर पदक एवं दो अन्य पदक शामिल हैं, इसके साथ 187 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

राजस्थान के विश्वविद्यालयों में अब 'कुलपति' होंगे 'कुलगुरु', विधेयक पारित

जयपुर। राजस्थान में सरकार से वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में 'कुलपति' का पदनाम अब 'कुलगुरु' होगा। विधानसभा ने इस आशय का एक प्रस्ताव बृहस्पतिवार को पारित कर दिया। राजस्थान के उप मुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राजस्थान के विश्वविद्यालयों की विधियां (संशोधन) विधेयक, 2025 पर चर्चा के बाद जवाब देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय ले रही है।

उन्होंने कहा कि वंचित वर्गों को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध करवाना राज्य सरकार का ध्येय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा लगातार कॉलेज शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत देश प्राचीन काल में ज्ञान एवं शिक्षा का वैश्विक केंद्र रहा है, राज्य सरकार शिक्षा के माध्यम से भारत का पुराना गौरव लौटाने के लिए कृत संकल्पित है।

कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर ने किया रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन मॉडल विकसित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जयपुर जिले के कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के अधीनस्थ हॉर्टिकल्चर कॉलेज दुर्गापुरा ने हरी खेती को नई दिशा देने के लिए अभिनव पहले करते हुए रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन मॉडल विकसित किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति डा बलराज सिंह ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में जैविक एवं रसायनमुक्त सब्जियों के उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल की गई हैं।

डा सिंह ने आधुनिक शहरी जीवन में भूमि की उपलब्धता तेजी से कम हो रही है वहीं बाजार में रसायनयुक्त सब्जियों का बढ़ता उपयोग स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। ऐसे में यह रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन मॉडल एक प्रभावी समाधान प्रस्तुत करता है, जिससे नागरिक अपनी छतों पर ही ताजी एवं जैविक सब्जियां उगा सकते हैं।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उप महानिदेशक (शिक्षा) डा आर सी अग्रवाल ने इस गार्डन का दौरा किया और इसे शहरी खेती एवं पर्यावरण-अनुकूल नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाएं पर्यावरण संरक्षण में सहायक होने के साथ शहरी आबादी को स्वस्थ एवं आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर दुर्गापुरा के डीन डा एल एन बैरवा के अनुसार इस गार्डन का संपूर्ण रखरखाव हॉर्टिकल्चर कॉलेज के छात्रों द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह पहल उन्हें शहरी खेती की आधुनिक तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से सीखने और नवाचारों को समझने का अवसर प्रदान कर रही है। इससे न केवल उनके कृषि ज्ञान में वृद्धि हो रही है बल्कि रचनात्मकता एवं समस्या-समाधान कौशल भी विकसित हो रहे हैं। डॉ. रंजना सिरोही और डा एच पी परेवा बताया कि इस रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन का उद्देश्य सीमित स्थान का प्रभावी उपयोग करते हुए टिकाऊ एवं पर्यावरण-अनुकूल शहरी खेती को प्रोत्साहित करना है।

रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन के इंचार्ज डा अशोक चौधरी ने बताया कि इसे पर्यावरणीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इस मॉडल को पुराने ओवरहेड वॉटर टैंकों, डस्टबिन, प्लास्टिक की बोतलों, कंटेनरों एवं अन्य अनुपयोगी सामग्रियों का पुनः उपयोग करके तैयार किया गया है। यह दृष्टिकोण कचरे को कम करने और संसाधनों के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने में मददगार साबित हो रहा है।

यह तकनीक लोगों को अपने घरों की छतों पर जैविक सब्जियां उगाने के लिए प्रेरित कर रही है, जिससे वे बाजार में उपलब्ध रसायनयुक्त सब्जियों पर निर्भरता कम कर सकें। साथ ही यह पहल स्थानीय रोजगार एवं उद्यमिता को भी प्रोत्साहित कर सकती है। जो लोग इस तकनीक को सीखेंगे, वे इसे व्यावसायिक मॉडल के रूप में अपनाकर रूफटॉप गार्डनिंग सेवाएं प्रदान कर सकते हैं। यह रूफटॉप वेजिटेबल गार्डन मॉडल न केवल ताजा एवं स्वास्थ्यवर्धक जैविक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा बल्कि पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को भी बढ़ावा देगा। भविष्य में इस प्रकार की और भी पहलें विकसित होने की उम्मीद है, जिससे भारत में शहरी खेती की एक नई क्रांति आएगी।

पूर्ण भव्यता से मनाया जाए राजस्थान दिवस और गणगौर का त्यौहार : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार को पर्यटन भवन में पर्यटन शासन सचिव रवि जैन की उपस्थिति में सामान्य समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने राजस्थान दिवस को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए।

दीया कुमारी ने इस सम्बन्ध में चर्चा कर अधिकारियों को सभी तरह की तैयारी मुस्तैदी से करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके साथ ही संस्कृति और परंपराओं के त्यौहार गणगौर को भव्यता से मनाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान आने वाले पर्यटकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन ऐप जल्द तैयार की जाए। जिससे पर्यटकों को सभी तरह की पर्यटन सूचनाएं प्राप्त हो सके साथ ही पर्यटन सम्बंधित मदद भी प्राप्त कर सके।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने पर्यटन विभाग से सम्बंधित बजट घोषणाओं पर बिंदुवार चर्चा कर उनके क्रियान्वयन के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं की समयबद्धता से पालना सुनिश्चित की जाए। सामान्य समीक्षा बैठक में अतिरिक्त निदेशक पर्यटन तथा अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। दीया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के श्रद्धालुओं के लिए आधारभूत सुविधाओं के विकास के दिए निर्देश उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने गोविन्द देव जी मंदिर के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार हेतु शुक्रवार को मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया।

अब राजस्थान में फल फूल रहे हैं सेब के बाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। परंपरागत रूप से सेब के पेड़ जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश जैसे हिमालयी राज्यों में पाये जाते हैं जहां की जलवायु ठंडी होती है लेकिन इसके फल अब सबसे अप्रत्याशित जगह राजस्थान में भी आ रहे हैं। आम तौर पर अपने तपते थार और झुलसा देने वाली गर्मी के लिए जाने जाने वाला राजस्थान में अब अनेक जगह सेब के बाग दिखने लगे हैं। विशेष रूप से सीकर और झुंझुनू जिले में सेब के बाग हैं।

सीकर के बेरी गांव की किसान संतोष खेदड़ ने कभी नहीं सोचा था कि 2015 में गुजरात में राष्ट्रीय नवाचार फाउंडेशन से उन्हें मिला सेब का एक पौधा उनके खेतों की दशा व दिशा ही बदल देगा। आज उनके बाग से हर मौसम में 6,000 किलोग्राम से अधिक सेब की उपज हो रही है। यह 'सेब' के बागों के लिए प्रतिकूल मानी जानी वाली राज्य की परिस्थितियों के मद्देनजर बड़ी बात कही जा सकती है। इस किसान परिवार ने परंपरागत रूप से अपने 1.25 एकड़ खेत में नींबू, अमरूद आदि के बाग लगा रखे हैं और यह परिवार रेगिस्तान की गर्मी में सेबों के बाग सफल होने को लेकर संशय में था।

संतोष याद करती हैं, पड़ोसियों ने हमारे विचार को खारिज कर दिया था,

क्योंकि उन्हें लगता था कि ऐसी विषम परिस्थितियों में सेब के बाग सफल नहीं होंगे। राजस्थान राज्य के बाकी हिस्सों की तरह इन दोनों जिलों में भी भीषण गर्मी पड़ती है और तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता है। हालांकि इसके बावजूद संतोष ने जोखिम उठाने का दृढ़ निश्चय किया और अपनी योजना पर आगे बढ़ीं। संतोष कहती हैं, हमने पौधे को पानी दिया और आवश्यकतानुसार जैविक खाद का इस्तेमाल किया। और एक साल बाद जोखिम का नतीजा मिला।

संतोष ने आत्मविश्वास से भरी मुस्कान के साथ कहा, हम पौधों के सेब लगते देखकर हैरान रह गए। दूसरे साल लगभग 40 किलोग्राम सेब निकले। नतीजों से उत्साहित होकर इस परिवार ने ग्राफ्टिंग तकनीक का इस्तेमाल करके अपने बगीचे में सेब के पौधों की संख्या 100 तक कर दी। संतोष के बेटे राहुल ने कहा, चूंकि हमारे पास राजस्थान ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन एजेंसी से ऑर्गेनिक खेती का सर्टिफिकेट है, इसलिए हम (अब) अपने सेब 150 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बेचते हैं। वे इस सफलता का श्रेय सेब की किस्म एचआरएमएन-99 को देते हैं जिसे विशेष रूप से उच्च तापमान को झेलने के लिए विकसित किया गया है। कृषि विषय के छात्र राहुल ने बताया कि यह किस्म उन इलाकों में भी फल फूल सकती है, जहां गर्मियों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक होता है। इस किस्म के पौधों को अतिरिक्त पानी की आवश्यकता नहीं होती।

बागवानी विशेषज्ञ कहते हैं कि सेब के पौधों के बड़े होने के बाद न्यूनतम सिंचाई की आवश्यकता होती है। बागवानी उप निदेशक मदन लाल जाट ने बताया कि जब सेब का पौधा पांच साल का हो जाता है, तब तक उसे हर दो सप्ताह में एक बार पानी की आवश्यकता होती है। उन्होंने बताया कि फरवरी में फूल आना शुरू हो जाते हैं और जून तक सेब पककर तैयार हो जाते हैं। कभी किसान संतोष के प्रयासों पर संदेह करने वाले लोग अब उनकी सफलता से सीखने को उत्सुक हैं। वह गर्व से मुस्कुराते हुए कहती हैं, जो लोग मुझ पर हंसते थे, वे अब पौधे मांग रहे हैं। उनकी सफलता से प्रेरित होकर, कटराथल गांव के एक किसान ने भी 50 सेब के पेड़ लगाए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह एक बड़े बदलाव की शुरुआत है। जाट ने बताया कि एक दशक पहले बाड़मेर में किसानों ने खजूर और अनार उगाना शुरू किया था। उन्होंने कहा कि अब चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा में भी स्ट्रॉबेरी की खेती हो रही है। उन्होंने कहा कि अगले पांच साल में राज्य के और इलाकों में सेब की खेती शुरू हो सकती है।

कांग्रेस सदस्यों ने भू राजस्व संशोधन और विधिमान्यकरण विधेयक को लेकर सदन से किया बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को विपक्ष कांग्रेस सदस्यों ने राजस्थान भू-राजस्व (संशोधन और विधिमान्यकरण) विधेयक-2025 को प्रवर समिति को भेज देने का विरोध एवं इसे जनमत जानने के लिए भेजने की मांग करते हुए सदन से बहिर्गमन किया। सदन में इस विधेयक पर चर्चा के बाद राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने इसे प्रवर समिति को भेजने का प्रस्ताव करने और सदन ने इसे ध्वनिमत से प्रवर समिति को भेज देने पर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने इसका विरोध किया। इस दौरान डिवीजन की मांग भी की गई लेकिन अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मीणा के प्रस्ताव पर सदन की राय जानी और सदन ने इसे ध्वनिमत से प्रवर समिति को भेज दिया गया।

इसके बाद विपक्ष के सदस्य खड़े हो गए और इसका विरोध करने लगे, इस दौरान सत्ता एवं विपक्ष दोनों पक्षों के सदस्यों के बोलने से सदन में शोरशराबा और हंगामा हुआ। इस दौरान जूली ने कहा कि इस विधेयक को जनमत जानने के लिए भेजा जाना चाहिए। इस पर देवनानी ने कहा कि यह विधेयक पारित नहीं हुआ हैं इसे अभी प्रवर समिति को भेजा गया हैं और यह विधेयक वापस सदन में आयेगा और उस समय सभी को चर्चा करने का पूरा अवसर दिया जायेगा। इसके बाद अपराह्न तीन बजकर 12 मिनट पर कांग्रेस सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए। कांग्रेस विधायकों के बहिर्गमन कर जाने पर संसदीय राज्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कांग्रेस सदस्यों के पास कोई मुद्दा नहीं हैं और उन्हें पता हैं कि आज सदन में आपातकाल पर चर्चा होनी हैं, इसलिए ये इससे भाग रहे हैं।

दक्षिण भारत का सबसे बड़ा तीन दिवसीय ट्रैवल शो चेन्नई ट्रेड सेंटर में शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत का प्रमुख ट्रैवल ट्रेड शो नेटवर्क टीटीएफ, पहले से कहीं ज्यादा बड़े पैमाने पर चेन्नई लौटा। जिसमें भारत और पड़ोसी देशों के शीर्ष ट्रैवल पेशेवर, खरीदार और प्रदर्शक एक साथ आए। तीन दिवसीय इस शो को चेन्नई ट्रेड सेंटर में होने वाले टीटीएफ चेन्नई को मेजबान राज्य के रूप में तमिलनाडु पर्यटन द्वारा समर्थित किया गया है और यह तमिलनाडु पर्यटन द्वारा आयोजित तमिलनाडु ट्रैवल मार्ट (टीएनटीएम) के साथ सह-स्थित है, जिससे यह दक्षिणी भारत में अब तक का सबसे बड़ा ट्रैवल इंडस्ट्री नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म बन गया है। इस सम्मेलन में पेशेवरों के लिए जुड़ने, नेटवर्क बनाने और व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने का अवसर है।

टीएनटीएम के साथ रणनीतिक साझेदारी ने टीटीएफ चेन्नई के पैमाने और प्रभाव को बढ़ाया है, जिससे 200 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शक, 5000 से अधिक व्यापार आगंतुक और 60 से अधिक मेज़बान खरीदार एक साथ आए हैं। संयुक्त मंच पर्यटन बोर्डों, आतिथ्य ब्रांडों, यात्रा कंपनियों और उभरते गंतव्यों को अपनी पेशकशों को प्रदर्शित करने, नई साझेदारियां बनाने और इस तेजी से बढ़ते बाजार में अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए एक बेजोड़ अवसर प्रदान करता है।

कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तमिलनाडु सरकार के पर्यटन, गन्ना, उत्पाद शुल्क, गन्ना विकास मंत्री आर. राजेंद्रन उपस्थित थे। डॉ. के. मणिवासन, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, के साथ काम करने का सौभाग्य भी मिला। सरकार पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक बंदोबस्ती विभाग, तमिलनाडु सरकार, टीएमटी. शिल्पा प्रभाकर सतीश, आईएएस, आयुक्त, पर्यटन आयुक्तालय और डी. वी. एनकटेसन, क्षेत्रीय निदेशक (दक्षिण), पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, सम्मानित अतिथि के रूप में हमारे साथ शामिल हुए और इस प्रतिष्ठित समारोह में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि और दृष्टिकोण जोड़े। चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाखों यात्री आते-जाते हैं तथा घरेलू पर्यटन के लिए तमिलनाडु भारत के शीर्ष राज्यों में शामिल है, इसलिए यह शहर विकास के अवसरों की तलाश कर रहे पर्यटन व्यवसायों के लिए एक प्रमुख गंतव्य है। इसमें भाग लेने वाले भारत और विदेश के होटल, एयरलाइंस, डीएमसी और पर्यटन बोर्ड सहित यात्रा आपूर्तिकर्ताओं के साथ नेटवर्क बना सकते हैं। इस कार्यक्रम में विशेष नेटवर्किंग सत्र और यात्रा उत्पादों और सेवाओं की एक विविध श्रृंखला शामिल है।

टीटीएफ चेन्नई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बोर्ड की विविध लाइनअप को एक साथ लाता है, जिसमें नेपाल पर्यटन, आंध्र प्रदेश पर्यटन, दिल्ली पर्यटन, भारत पर्यटन, झारखंड पर्यटन, केरल पर्यटन, तमिलनाडु पर्यटन, तेलंगाना पर्यटन, उत्तराखंड पर्यटन और कई अन्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, केसरबाग पैलेस, म्यांमार एयरवेज, रॉयल ब्रुनेई, एसओटीसी, सदर्न ट्रैवल्स, स्टिक ट्रैवल्स, टिमबर्टल्स लक्ज़री रिज़ॉर्ट, यूनाइटेड ट्रैवल्स और कई अन्य प्रमुख निजी प्रदर्शक अपनी पेशकशों का प्रदर्शन करते हैं।

सीएसआईआर-एसईआरसी और सीएमसी ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर (सीएसआईआर-एसईआरसी) और सीएसआईआर-मद्रास कॉम्प्लेक्स (सीएमसी) में 8-20 मार्च के दौरान अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जिसका समापन 20 मार्च को होगा। डॉ. पूर्णिमा जलिहाल, वैज्ञानिक जी, ऊर्जा और ताजा जल समूह की प्रमुख, राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान, और हेमा चंद्रशेखर, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उत्तरी ट्रस्ट निगम, समारोह की मुख्य अतिथि थीं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2025 का थीम था 'कार्रवाई में तेजी लाना'। सीएसआईआर-एसईआरसी की निदेशक और सीएमसी की समन्वय निदेशक डॉ. एन. आनंदवल्ली ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि महिला दिवस महिलाओं की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए मनाया जाता है और उन्होंने उन शुरुआती उपलब्धि हासिल करने वालों के बारे में जानकारी दी जिन्होंने संबंधित क्षेत्रों में महिलाओं के लिए मार्ग निर्धारित किया। उन्होंने लैंगिक समानता हासिल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया और कहा कि वर्तमान में सीएसआईआर-एसईआरसी के 25 प्रतिशत वैज्ञानिक महिलाएं हैं और संगठन धीरे-धीरे समान प्रतिनिधित्व की ओर बढ़ रहा है। सीएसआईआर-एसईआरसी की मुख्य वैज्ञानिक डॉ. पी. कामचची ने परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह पर रिपोर्ट दी, जिसमें परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के तहत आयोजित विभिन्न गतिविधियों, कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं और समारोहों पर प्रकाश डाला गया।

सीएसआईआर-एनएमएल, सीएमसी की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजीता कुमारी ने मुख्य अतिथि डॉ. पूर्णिमा जलिहाल का परिचय दर्शकों से कराया। डॉ. जलिहाल ने महासागरों से ऊर्जा और पानी का दोहन - एक महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर के रूप में चुनौतियां शीर्षक से अपना व्याख्यान दिया। अपने व्याख्यान में उन्होंने एनआईओटी की विभिन्न गतिविधियों, इसके कार्य के मुख्य क्षेत्रों, महासागर संसाधनों और नीली अर्थव्यवस्था, महासागर ऊर्जा रूपों, लहर संचालित विलवणीकरण, महासागर ऊर्जा थर्मल रूपांतरण, विलवणीकरण परियोजनाओं आदि पर बात की। उन्होंने एनआईओटी की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में एक वैज्ञानिक और इंजीनियर के रूप में अपनी भूमिका के बारे में भी जानकारी दी, जिसने आम लोगों के जीवन को छुआ, जिसमें कावारत्ती विलवणीकरण संयंत्र और लक्षद्वीप द्वीप समूह में विलवणीकरण संयंत्र, खारे पानी के लालटेन का निर्माण आदि शामिल हैं। उन्होंने एक अकेली महिला सिविल और स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग छात्र के रूप में अपने शुरुआती जीवन की झलक, अपने क्षेत्र के काम और एक महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर के रूप में उनके सामने आने वाली चुनौतियों को भी साझा किया।

सीएसआईआर-एसईआरसी की प्रधान तकनीकी अधिकारी डॉ. एस. विजयलक्ष्मी ने मुख्य अतिथि श्रीमती हेमा चंद्रशेखर का परिचय कराया। हेमा ने अपने भाषण में कहा कि इस वर्ष की थीम 'कार्रवाई में तेजी लाना' एक शक्तिशाली वाक्यांश है और सभी को इसे अपने जीवन में लागू करना चाहिए। उन्होंने बताया कि अपनी जड़ों को जानना, अपने आस-पास एक सहायता प्रणाली का निर्माण करना और अपनी ताकत को पहचानना, केवल महिलाओं के लिए ही नहीं, बल्कि सभी के लिए कार्रवाई में तेजी लाने के लिए तीन महत्वपूर्ण चीजें हैं। उन्होंने कहा कि जीवन को जिस तरह से हम चाहते हैं, उसे संतुलित करना, चीजों को प्राथमिकता देना, चुनाव करना और उसके साथ खड़े रहना और सकारात्मक और मजबूत बने रहना महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि बाधाएं हर किसी के जीवन में होती हैं और इसके बारे में बहुत अधिक सोचने के बजाय, हमें अपने रास्ते में आने वाली बाधाओं से लड़ने के लिए मजबूत और शांत रहना चाहिए। सीएसआईआर-सीरी की प्रधान वैज्ञानिक ए. मर्सी लता ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

तमिलनाडु के राज्यसभा सदस्यों ने कहा कि केंद्र सरकार हम पर हिन्दी न थोपे

नई दिल्ली/चेन्नई। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उल्लिखित त्रि-भाषा फॉर्मूले के कार्यान्वयन को लेकर राज्य सरकार और केंद्र के बीच बढ़ते विवाद के बीच तमिलनाडु के राज्यसभा सांसदों ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह दक्षिणी राज्य पर हिंदी भाषा थोप रही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और इसके तहत प्रस्तावित त्रि-भाषा फॉर्मूले के कार्यान्वयन को लेकर तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच टकराव चल रहा है। उच्च सदन में गृह मंत्रालय के कामकाज पर हुई चर्चा में भाग लेते हुए, एमडीएमके प्रमुख वाइको ने आरोप लगाया कि आपदा राहत कोष जारी करने वाला गृह मंत्रालय, राज्य को 'परेशान' कर रहा है।

वाइको ने कहा, ''आपदा राहत कोष जारी करने वाले गृह मंत्री ने हमारे राज्य को सिर्फ इसलिए परेशान किया क्योंकि हम आपकी हिंदुत्व नीति, आरएसएस की नीति, हिंदी और संस्कृत को थोपे जाने के खिलाफ हैं।'' उन्होंने कहा कि तमिल भाषा, भारत के अलावा दुनिया के 114 से अधिक देशों में रहने वाले लगभग 12 करोड़ लोगों की मातृभाषा है।

उन्होंने कहा, ''मैं गृह मंत्री से पूछना चाहूंगा कि जब वे पहली बार यहां आए थे, तो उन्होंने कहा था कि हिंदी निश्चित रूप से लागू की जाएगी... और फिर आंदोलन शुरू हो गया।'' वाइको ने स्वयं को हिंदी विरोधी आंदोलन का ''उत्पाद'' बताया। अन्नाद्रमुक के डॉ एम थंबीदुरै ने कहा कि भाषा के मुद्दे पर वाइको ने जो कहा, वह उसका समर्थन करते हैं। थंबीदुरई ने कहा, तमिल को इस देश की आधिकारिक भाषा बनाया जाना चाहिए। यह अन्नाद्रमुक पार्टी की लंबे समय से लंबित मांग है और (दिवंगत) जयललिता ने भी इस मुद्दे को उठाया था। तमिल देश की 22 आधिकारिक भाषाओं में से एक है। इसके अलावा असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी भी आधिकारिक भाषाएं हैं। द्रमुक सदस्य एन षणमुगम ने भी केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह तमिलनाडु पर हिन्दी थोप रही है।

अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए द्रमुक भाषा को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने त्रि-भाषा फार्मूले को लेकर जारी विवाद के बीच द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर जोरादार हमला बोला और कहा कि अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी भाषा को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है। राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर हुई शुक्रवार को चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) इस मुद्दे को गांव-गांव लेकर जाएगा और द्रमुक की पोल खेलेगा। शाह ने स्पष्ट किया, ''हिंदी की किसी भी भारतीय भाषा से स्पर्धा नहीं है। हिंदी, सभी भारतीय भाषाओं की सखी है। हिंदी से ही सभी भारतीय भाषाएं मजबूत होती हैं और सभी भारतीय भाषाओं से ही हिंदी मजबूत होती है।''

ज्ञात हो कि पिछले कुछ समय से केंद्र और तमिलनाडु के बीच भाषा को लेकर विवाद जारी है। तमिलनाडु ने केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया है। हालांकि, केंद्र ने इस आरोप से इनकार किया है। द्रमुक का कहना है कि केंद्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति में त्रि-भाषा फार्मूले के कार्यान्वयन के माध्यम से तमिलनाडु पर हिंदी भाषा 'थोपना' चाहता है। राज्य सरकार का कहना है कि वह त्रि-भाषा फार्मूले का पालन नहीं करेगी, बल्कि तमिल और अंग्रेजी की, अपनी दशकों पुरानी द्वि-भाषा नीति पर ही कायम रहेगी। उच्च सदन में चर्चा का जवाब देते हुए शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने राजभाषा विभाग के अंतर्गत भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना की है और सभी भारतीय भाषाओं के प्रचलन

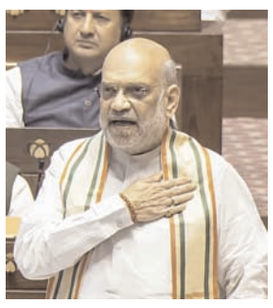

को बढ़ाने के लिए काम किया जाए।

सभी भाषाओं का हिंदी और अंग्रेजी से अनुवाद के लिए ऐप बनाए जाने की घोषणा करते हुए शाह ने कहा कि दिसंबर महीने के बाद वह हर राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री और सांसदों को या वहां के किसी भी नागरिक से उसकी ही भाषा में ही पत्र व्यवहार करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ''ये जो भाषा के नाम पर दुकान चलाते हैं अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए, उनको यह मजबूत जवाब है।'' शाह ने कहा कि भाषा के नाम पर बहुत राजनीति हो गई लेकिन अब यह बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''देश आगे बढ़ गया है। अब विकास की बात करिए। आप अपने घपले, घोटाले, भ्रष्टाचार छिपाने के लिए भाषा की आड़ लेते हैं। आपकी हम पोल खोलेंगे। गांव-गांव जाकर पोल खोलेंगे कि कि अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए ये (द्रमुक) भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।''

केंद्रीय गृह मंत्री ने भारत की एक-एक भाषा को भारत की संस्कृति का गहना करार दिया और भारतीय जनता पार्टी को दक्षिण भारतीय भाषाओं का विरोधी कहे जाने पर द्रमुक को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा, ''यह कैसे हो सकता है? हम भी तो वहीं से आते हैं? मैं भी गुजरात से आता हूं। निर्मला जी तमिलनाडु से आती हैं। हम कैसे विरोधी (दक्षिण भारतीय भाषाओं के) हो सकते हैं? क्या बात करते हो आप? हमने भाषाओं के लिए काम किया है। हमने मेडिकल और इंजीनियरिंग के शिक्षा को भारत की भाषाओं में किया है।''

शाह ने कहा कि केंद्र सरकार दो साल से तमिलनाडु सरकार से कह रही है लेकिन उसमें हिम्मत नहीं है मेडिकल और इंजीनियरिंग के शिक्षा को तमिल में अनुवादित करने की। उन्होंने कहा, क्योंकि आपके आर्थिक हित जुड़े हुए हैं। आप यह नहीं कर सकते हो। मगर हमारी सरकार आएगी वहां, राजग की, तो हम मेडिकल और इंजीनियरिंग का कोर्स तमिल में बनाएंगे। उन्होंने भाषा के नाम पर जहर फैलाने' वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें हजारों किलोमीटर दूर की कोई भाषा तो अच्छी लगती है पर भारत की भाषा उन्हें अच्छी नहीं लगती है। शाह ने कहा कि भारतीय भाषाओं के विकास के लिए राजग सरकार प्रतिबद्ध है, इसमें किसी को शंका नहीं होनी चाहिए।

चेन्नई में सड़क का नामकरण अश्विन के नाम पर होगा

चेन्नईय पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन के खेलों में योगदान को मान्यता देते हुए ग्रेटर चेन्नई निगम (जीसीसी) ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर यहां के पश्चिम माम्बलम में एक सड़क का नाम बदलकर इस दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर के नाम पर रखने का प्रस्ताव पारित किया। चेन्नई की मेयर आर प्रिया की अध्यक्षता में एक बैठक में इसे पारित किया गया। इस प्रस्ताव में पश्चिम माम्बलम में रामकृष्णपुरम फर्स्ट स्ट्रीट का नाम बदलना शामिल है। अश्विन का घर इसी जगह पर है।

कैरम बॉल इवेंट एंड मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड' के मुख्य परिचालन अधिकारी एस कार्तिक के अनुरोध पर इस प्रस्ताव को पेश किया गया था। इसमें उन्हें महत्वपूर्ण योगदान के लिए सम्मानित करने का अनुरोध किया गया था। पद्मश्री से सम्मानित अश्विन ने लंबे समय तक क्रिकेट के मैदान में भारत और तमिलनाडु का प्रतिनिधित्व किया है। उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ऑफ स्पिनर और हरफनमौला में से एक माना जाता है। जीसीसी ने इस प्रस्ताव को पारित करने से पहले अश्विन के योगदान को मान्यता देने के लिए राज्य सरकार से मंजूरी मांगी थी।

जहाँ भी श्रीवारी मंदिर होता है, वहाँ समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है : आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री

देशभर के सभी राज्य की राजधानियों में श्रीवारी मंदिरों का निर्माण होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुमला। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि श्री वेंकटेश्वर स्वामी उनके लिए एक भावना हैं, और जहां भी श्रीवारी मंदिर स्थित होता है, वहां समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है।

शुक्रवार को तिरुमला में स्थित श्री पद्मावती विश्राम भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी और मंदिर से जुड़ी अपनी पुरानी यादों और भावनाओं को साझा किया। उन्होंने कहा, आज मैंने अपने पोते से अन्नप्रसाद सेवा करवाई। यदि हम आने वाली पीढ़ियों को अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्य सिखा सकें, तो यह मेरे लिए अपार संतोष की बात होगी। उन्होंने आगे कहा, मेरे पिछले कार्यकाल के दौरान भी कई सुधार किए गए थे और मैं तिरुमला और उसके आस-पास की पवित्रता व शुद्धता की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि स्वर्गीय एन.टी. रामाराव के कार्यकाल में अन्नप्रसादम ट्रस्ट की स्थापना की गई थी, और बाद में प्राणदानम ट्रस्ट भी बनाया गया। श्रीवारी सेवा नामक स्वैच्छिक सेवा कार्यक्रम की शुरुआत भी भक्तों की सेवा के लिए की गई थी। अब हमारी सरकार देशभर और विदेशों में भी श्रीवारी मंदिरों के निर्माण की योजना बना रही है। इसके लिए 'श्री वेंकटेश्वरालय निर्माण निधि' की स्थापना की जाएगी। इस पवित्र उद्देश्य के लिए 'श्रीवाणी ट्रस्ट' के फंड्स का उपयोग पारदर्शिता के साथ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि आंध्र प्रदेश में एक उत्कृष्ट मंदिर प्रशासन प्रणाली है, और उनकी सरकार का लक्ष्य सभी मंदिरों का विकास करना है। उन्होंने याद दिलाया कि पहले के कार्यकाल में कल्याणी बांध से पानी लाकर तिरुमला को आपूर्ति की गई थी, और आगे भी जल आपूर्ति की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तिरुमला की पवित्रता को बनाए रखने के लिए किसी भी अपवित्र गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अलीपीरी के पास मुमताज होटल, एमार और देवलोक प्रोजेक्ट्स के लिए आवंटित भूमि को रद्द किया जाएगा और श्रीवारी संपत्तियों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने दोहराया कि टीटीडी (तिरुमला तिरुपति देवस्थानम) में काम करने वाले सभी कर्मचारी केवल हिंदू धर्म के अनुयायी ही होने चाहिए और इसके लिए उपयुक्त कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सात पहाड़ियां श्री वेंकटेश्वर स्वामी की संपत्ति हैं, इसलिए तिरुमला में कोई भी अपवित्र गतिविधि नहीं होनी चाहिए, और इसे व्यावसायिक दृष्टिकोण से नहीं देखा जाना चाहिए। राज्य के पुनर्निर्माण की प्रक्रिया पहले ही तिरुमला से शुरू हो चुकी है और इसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

हाल ही में अमरावती में आयोजित श्रीनिवास कल्याणम को जनता से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, और इसके बाद राजधानी निर्माण कार्य भी भगवान के आशीर्वाद से शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर टीटीडी अध्यक्ष बी.आर. नायडू, कार्यकारी अधिकारी श्यामला राव, ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य, अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

पटनायक ने परिसीमन पर चेन्नई में जेएसी बैठक में भाग लेने के लिए बीजद के नेताओं को नामित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/चेन्नई। ओडिशा में विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) ने चेन्नई में परिसीमन पर संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) की बैठक में पार्टी का प्रतिनिधित्व करने के लिए दो वरिष्ठ नेताओं को शुक्रवार को नामित किया। नवीन पटनायक के नेतृत्व वाली बीजद ने एक बयान में कहा कि पूर्व मंत्री संजय दास बर्मा और पूर्व सांसद अमर पटनायक शनिवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन द्वारा बुलाई गई बैठक में भाग लेंगे। इससे पहले 11 मार्च को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने ओडिशा के विपक्ष के नेता पटनायक से मुलाकात की थी और उन्हें परिसीमन को लेकर बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। द्रमुक के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में टीआरबी राजा और दयानिधि मारन शामिल थे।

प्रतिनिधिमंडल ने पटनायक से आग्रह किया था कि केवल जनसंख्या के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण के केंद्र के प्रस्ताव के खिलाफ वे बीजद को संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) का हिस्सा बनाएं। बैठक में बीजद के शामिल होने के पटनायक के फैसले की भाजपा की ओडिशा इकाई ने

आलोचना की थी और बीजद पर द्रमुक के करीब जाने का आरोप लगाया था। इसके जवाब में बीजद ने भाजपा की ओडिशा इकाई की आलोचना करते हुए कहा था कि ''अगर कुछ क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीतिक दल आपस में परिसीमन के मुद्दे पर चर्चा करते हैं तो इसमें क्या गलत है? ओडिशा भाजपा को बेचैन होने की जरूरत नहीं है।''

द्रमुक परिसीमन मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विभिन्न दलों के नेताओं से संपर्क कर रही है, जिनमें चंद्रबाबू नायडू जैसे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता भी शामिल हैं। स्टालिन ने पहले केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, पंजाब, ओडिशा के अपने समकक्षों को पत्र लिखकर उन्हें राज्य के साथ हाथ मिलाने और लोकसभा सीट के परिसीमन पर बिना समझौता किए संघर्ष'' के लिए जेएसी का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया था।

उन्होंने 22 मार्च को चेन्नई में जेएसी की पहली बैठक का प्रस्ताव रखा है और नेताओं से सामूहिक रूप से ''आगे बढ़ने'' के लिए एकजुट होने का आग्रह किया है।

सुविचार

तितली महीने की नहीं, बल्कि प्रत्येक क्षण की गिनती करती है। उसके पास पर्याप्त समय होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

... तो आम आदमी कितना सुरक्षित?

कर्नाटक के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली द्वारा किया गया यह दावा कि राज्य के एक वरिष्ठ मंत्री पर 'हनी ट्रैप' के दो असफल प्रयास किए गए, ऐसी गंभीर समस्या की ओर संकेत करता है, जिससे सरकार को खूब सख्ती से निपटना होगा। जो व्यक्ति जाने-अनजाने में इस 'जाल' में फंसता है, वह भारी नुकसान उठाता है। कुछ मामलों में तो पीड़ित बिल्कुल ही मासूम रहता है, लेकिन शर्मिंदगी के कारण ब्लैकमेल होता है। सोचिए, जब नेतागण ऐसे गिरोहों के निशाने पर हो सकते हैं तो आम आदमी कितना सुरक्षित है? हमने हनी ट्रैप का मुद्दा कई बार उठाया है। हमारे सुरक्षा बलों के अधिकारियों एवं जवानों, वैज्ञानिक तथा शोध संस्थानों से जुड़े लोगों को फंसाने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने खूब चालें चली हैं। कभी-कभार लोग उसके जाल में फंस जाते हैं। उसका मकसद भारत की सुरक्षा से जुड़ी गोपनीय जानकारी हासिल करना है। वहीं, भारत में रहकर कुछ गिरोह आम लोगों से लेकर वरिष्ठ नेताओं और अधिकारियों पर 'मोहपाश' फेंक रहे हैं। वे ऐसी हरकतों के जरिए धन ऐंठते हैं, कोई अनुचित काम करवाते हैं या किसी की प्रतिष्ठा पर दाग लगाकर उसे रास्ते से हटाते हैं। यह मानना होगा कि इंटरनेट के दुरुपयोग ने हनी ट्रैप करने वालों का काम बहुत आसान कर दिया है। पिछले दिनों हनी ट्रैप का एक मामला चर्चा में रहा था। किसी बुजुर्ग व्यापारी से एक युवती ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर ली। धीरे-धीरे बात आगे बढ़ी और उसने मिलने के लिए बुलाया। जब वह व्यापारी मिलने गया तो वहां युवती के चार साथी पहले से तैयार बैठे थे। उन्होंने आपत्तिजनक तस्वीरें खींच लीं और धमकी दी कि अगर 40 लाख रुपए नहीं दिए तो तुम्हारी पुरानी चैट्स समेत पूरी सामग्री सोशल मीडिया पर डाल देंगे। व्यापारी ने अपनी जमा-पूंजी का बहुत बड़ा हिस्सा ब्लैकमेलरों के हवाले कर दिया। आखिरकार उसने पुलिस की मदद ली और उसकी जान छूटी।

मेवात में साइबर ठगों ने हनी ट्रैप के जरिए लोगों को लूटने का बड़ा ही खतरनाक तरीका ढूंढ़ निकाला था। वे किसी अनजान व्यक्ति को वीडियो कॉल करते और कैमरे के सामने कोई आपत्तिजनक वीडियो चला देते। जब उधर व्यक्ति वीडियो कॉल उठा लेता तो उसका अलग से वीडियो बना लेते। वे उसे कोई आपत्तिजनक हरकत करने के लिए उकसाते। कुछ लोग उनके उकसावे में आ जाते थे। जब उसकी गतिविधियां रिकॉर्ड हो जातीं तो वीडियो उसे भेजकर ब्लैकमेल किया जाता। बहुत लोग इस जाल में फंसे और अपनी कमाई गंवा बैठे। एक दुकानदार के मोबाइल फोन की घंटी बजी, कोई अनजान नंबर था। थोड़ी देर बाद वीडियो कॉल आया। उसने सोचा कि कोई ग्राहक होगा। सामने एक युवती नजर आई, जो आपत्तिजनक हावभाव कर रही थी। जब तक दुकानदार को कुछ समझ आता, कॉल कट गया। अब वॉट्सऐप पर मैसेज आया कि तुरंत 5,000 रुपए भेजो, अन्यथा तुम्हारा यह वीडियो एक ग्रुप में वायरल कर दिया जाएगा। दुकानदार ने दिए गए क्यूआर कोड पर रुपए भेज दिए। अगले दिन फिर वही मैसेज आया। इस बार रकम बढ़ाकर 20,000 रुपए कर दी गई। दुकानदार डरा हुआ था। उसने ठगों के क्यूआर कोड को स्कैन कर रुपए भेज दिए। इसके बाद तो ठगों की मांग बढ़ती ही गई। हताश दुकानदार लाखों रुपए गंवाने के बाद पुलिस की शरण में पहुंचा। वहां उसे निजात मिली। इसी तरह हनी ट्रैप गिरोह के झांसे में आए एक सुरक्षा गार्ड ने बहुत खौफनाक कदम उठा लिया था। उसके पास रुपए नहीं थे। उसने अपनी जान दे दी! ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए जरूरी है कि हनी ट्रैप को बहुत गंभीर अपराध घोषित करते हुए इन हरकतों को अंजाम देने वालों की पकड़-धकड़ में तेजी लाई जाए। उनका पर्दाफाश किया जाए। उन्हें सख्त सज़ा दी जाए। ऐसे दो-चार गिरोहों के खिलाफ जोरदार कार्रवाई हो गई तो बाकी लोगों को सबक मिल जाएगा।

ट्वीटर टॉक

राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े जी की गरिमामय उपस्थिति से सुशोभित जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह में वर्चुअली प्रतिभाग किया। युवा प्रतिभाओं के समक्ष देश-दुनिया विशेषकर वर्तमान परिवर्तन के संदर्भ में संवाद का यह अवसर रहा।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

एकमोदी की गारंटी' झूठ का पुलिंदा बन रही है, किसानों का शोषण ही भाजपा के शासन की सच्चाई है। मुख्यमंत्री की क़लम में किसानों के लिए ताक़त क्यों नहीं है? केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है, फिर मुख्यमंत्री किसान हित में कोई फ़ैसला क्यों नहीं कर पा रहे हैं?

-गोविंदसिंह डोटासरा

अपने भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए जो लोग भाषा के नाम पर अपनी दुकान चलाते हैं, उनको ये मजबूत जवाब है। ये क्या कहते हैं कि हम दक्षिण की भाषाओं के विरोधी हैं, कैसे हो सकते हैं, हम भी तो वहीं से आते हैं... मैं गुजरात से आता हूं, निर्मला जी तमिलनाडु से आती हैं।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

स्वयं की खोज

एक गृहस्थ ब्राह्मण थे, जो शिष्यों से पूजा-पाठ संपन्न कराते और जीवन की गाड़ी चलाते थे। एक बार किसी ने उनसे पूछा, 'क्या आपने कभी स्वयं की तलाश की है?' इस प्रश्न ने उन्हें विचलित कर दिया। उन्होंने मन ही मन खुद को तलाशने का निर्णय कर लिया। उसी दिन से वे खुद को तलाशने की साधना में जुट गए। इस बीच उनकी पत्नी ने घर का राशन-पानी लाने की बात कही। इस पर वे क्रोध में आकर कहने लगे, 'मैं यहां खुद को तलाशने की साधना में जुटा हुआ हूं, और तुम यह फालतू के काम बता रही हो।' पत्नी का माथा ठनका। वह बोली, 'पतिदेव, स्वयं को खोजा नहीं जा सकता। कर्म और कर्तव्य से विमुख होकर तपस्या करने से स्वयं का ज्ञान नहीं मिलता, बल्कि यह कर्तव्य पूरे करने से हासिल होता है। यह फूलों से निकलने वाली सुगंध की तरह है, जो आसपास के वातावरण को खुशनुमा कर देती है।' ब्राह्मण को पत्नी की इस बात पर गहराई से विचार करने का अवसर मिला। ब्राह्मण ने विचार किया कि पत्नी ने स्वयं को खोज लिया है। वह अधिक स्पष्ट है। अब साफ हो गया था कि जीवन में संतुलन न बिठा पाने के कारण वे डगमगा गए थे।

सामयिक

क्या भविष्य में परस्पर संघर्ष का कारण बनेगा जल?

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

मोबाइल : 9955818270

जल, जो जीवन का आधार है, अब केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं रहा, बल्कि वैश्विक भू-राजनीतिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। औद्योगीकरण, बढ़ती जनसंख्या और जलवायु परिवर्तन के कारण जल संसाधनों की उपलब्धता पर दबाव बढ़ता जा रहा है। सीमित जल संसाधनों के असमान वितरण और इनके नियंत्रण को लेकर विभिन्न देशों के बीच तनाव बढ़ रहे हैं। ऐसे में जल कूटनीति की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि यह सुनिश्चित कर सकती है कि जल संसाधनों का न्यायसंगत उपयोग हो और इससे संबंधित संभावित विवादों को कूटनीतिक माध्यमों से हल किया जाए। लेकिन प्रश्न यह उठता है कि क्या जल भविष्य में संघर्षों का कारण बन सकता है? वर्तमान वैश्विक परिदृश्य को देखते हुए यह स्पष्ट है कि जल संकट केवल एक स्थानीय समस्या नहीं रह गई है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक विश्व की आधी से अधिक आबादी जल संकट का सामना कर सकती है। वहीं, 2040 तक जल उपलब्धता में 40 प्रतिशत तक की कमी आने की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में जल संसाधनों के प्रबंधन को लेकर विभिन्न देशों के बीच सहयोग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। लेकिन जल संकट की गंभीरता को देखते हुए यह भी संभव है कि यदि उचित जल कूटनीति नहीं अपनाई गई, तो भविष्य में यह संघर्षों का कारण बन सकता है।

जल कूटनीति का तात्पर्य उन सभी नीतियों और रणनीतियों से है, जो जल संसाधनों के न्यायसंगत प्रबंधन और जल-संबंधी विवादों के शांतिपूर्ण समाधान हेतु अपनाई जाती हैं। यह एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा सीमावर्ती देशों के बीच साझा जल संसाधनों के उपयोग को संतुलित किया जा सकता है। यह केवल जल वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि इसमें जल संरक्षण, जल पुनर्चक्रण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए समन्वित प्रयास भी शामिल होते हैं। यदि इतिहास को देखा जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि जल को लेकर संघर्ष कोई नई बात नहीं है। प्राचीन सभ्यताओं में भी जल स्रोतों पर नियंत्रण को लेकर विवाद होते रहे हैं। हाल के वर्षों में यह समस्या और जटिल हो गई है, क्योंकि अब जल संसाधनों का उपयोग केवल पेयजल और कृषि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऊर्जा उत्पादन और औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए भी जल की मांग तेजी से बढ़ रही है। यही कारण है कि विभिन्न देशों के बीच जल को लेकर कूटनीतिक संबंध जटिल होते जा रहे हैं।

सीमा-पार जल संसाधनों के प्रबंधन को लेकर विभिन्न देशों के बीच विवाद लंबे समय से चले आ रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु जल संधि 1960 में हुई थी, जिसके तहत सिंधु नदी प्रणाली की नदियों का बंटवारा किया गया। हालांकि यह संधि अब तक प्रभावी रही है, लेकिन हाल के वर्षों में इसके उल्लंघन को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है। इसी प्रकार, चीन और भारत के बीच बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी को लेकर भी विवाद है। चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र पर बांध निर्माण की योजनाएँ भारत और बांग्लादेश के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं, क्योंकि इससे इन देशों में जल की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। मध्य पूर्व और अफ्रीका में जल संघर्षों की स्थिति और भी गंभीर है। मिस्र, इथियोपिया और सूडान के बीच नील नदी के जल बंटवारे को लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। इथियोपिया द्वारा ग्रैंड इथियोपियन रेनेसांस डैम (जीईआरडी) के निर्माण ने मिस्र और सूडान को चिंतित कर दिया है, क्योंकि इससे नील

नदी के जल प्रवाह पर असर पड़ सकता है। इसी प्रकार, जॉर्डन नदी को लेकर इज़राइल, फिलिस्तीन, लेबनान और जॉर्डन के बीच विवाद लंबे समय से चला आ रहा है।

जलवायु परिवर्तन भी जल संघर्षों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमालय और आल्प्स जैसी पर्वतमालाओं के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों में जल प्रवाह प्रभावित हो रहा है। कुछ क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा और बाढ़ आ रही है, जबकि अन्य स्थानों पर भीषण सूखा पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में जल संसाधनों का असमान वितरण संघर्षों को जन्म दे सकता है। जनसंख्या वृद्धि भी जल संकट को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभा रही है। 2050 तक विश्व की जनसंख्या 9.7 अरब तक पहुँचने की संभावना है, जिससे जल की मांग अत्यधिक बढ़ जाएगी। वर्तमान में कृषि में 70 प्रतिशत से अधिक मीठे जल का उपयोग किया जाता है, लेकिन जल की बढ़ती मांग को देखते हुए भविष्य में कृषि और उद्योगों के लिए जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन नहीं किया गया, तो यह देशों के बीच टकराव का कारण बन सकता है।

जल केवल एक प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि एक रणनीतिक संसाधन भी बन चुका है। कुछ देशों द्वारा जल संसाधनों को एक हथियार के रूप में उपयोग किए जाने की संभावना भी बढ़ रही है। उदाहरण के लिए, यदि कोई देश अपनी सीमा में बहने वाली नदी पर बांध बनाकर जल प्रवाह को रोकता है, तो यह दूसरे देश के लिए गंभीर संकट पैदा कर सकता है। ऐसे में जल कूटनीति की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। जल संघर्षों से बचने के लिए जल कूटनीति को प्रभावी बनाने की आवश्यकता है। इसके तहत सीमा-पार जल संधियों को मजबूत बनाया जाना चाहिए, ताकि सभी पक्षों के हितों की रक्षा हो सके। इसके अलावा, जल संरक्षण और प्रबंधन की तकनीकों को बढ़ावा देना आवश्यक है। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और जल-कुशल कृषि पद्धतियों को अपनाकर जल संकट को कम किया जा सकता है।

भारत को भी अपनी जल कूटनीति को अधिक प्रभावी बनाना होगा। सिंधु जल संधि, गंगा जल संधि और ब्रह्मपुत्र जल विवाद जैसे मुद्दों पर सक्रिय कूटनीति अपनाने की आवश्यकता है। भारत को चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ जल सहयोग बढ़ाना चाहिए, ताकि भविष्य में जल संबंधी विवादों से बचा जा सके। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक और अन्य बहुपक्षीय संस्थाएँ जल विवादों को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यदि देशों के बीच जल समझौतों का पालन किया जाए और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाए, तो जल संघर्षों को रोका जा सकता है। यह स्पष्ट है कि जल भविष्य में संघर्षों का कारण बन सकता है, यदि जल संसाधनों का उचित प्रबंधन नहीं किया गया। जल केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। इसे बचाने और न्यायसंगत रूप से वितरित करने की दिशा में सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। यदि जल कूटनीति को प्रभावी बनाया जाए और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दिया जाए, तो जल संघर्षों को टाला जा सकता है और जल को शांति और सहयोग का माध्यम बनाया जा सकता है।

विशेष

जल संरक्षण के लिए अभी नहीं तो कभी नहीं

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

जल संकट दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। हालांकि पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। इसीलिए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। सही मायनों में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। विश्व जल दिवस 2025 की थीम है 'ग्लेशियर संरक्षण'। ग्लेशियर दुनियाभर में मीठे पानी को उपलब्धता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं लेकिन मानवीय गतिविधियों के कारण ये तेजी से पिघल रहे हैं। दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो रहा और साफ पेयजल उपलब्ध नहीं होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं।

'इंटरनेशनल एटोमिक एनर्जी एजेंसी' का कहना है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनियाभर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल हो रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं।

विश्वभर में तेजी से उभरती पानी की कमी की समस्या भविष्य में खतरनाक रूप धारण कर सकती है, इसीलिए अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान भी पूरी दुनिया को चेता चुके हैं कि उन्हें इस बात का डर है कि आगामी वर्षों में पानी की कमी गंभीर संघर्ष का कारण बन सकती है। इसीलिए यह समय की सबसे बड़ी मांग है कि दुनियाभर में लोग बेशकीमती पानी की महत्ता को समय रहते समझें और इसके संरक्षण हर स्तर पर अपना योगदान दें। दरअसल पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कहा जाता रहा है कि भारत ऐसा देश है, जिसकी गोद में कभी हजारों नदियां खेलती थी लेकिन आज इन हजारों नदियों में से सैकड़ों ही शेष बची हैं और वे भी अच्छी हालत में नहीं हैं। हर गांव-मौहल्ले में कुएं और तालाब हुआ करते थे, जो अब पूरी तरह गायब हो गए हैं।

महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि पृथ्वी की सतह पर उपयोग में आने लायक पानी की मात्रा वैसे ही बहुत कम है और यदि भूमिगत जल स्तर भी निरन्तर गिर रहा है तो हमारी पानी की आवश्यकताएं कैसे पूरी होंगी? इसके लिए हमें वर्षा के पानी पर आश्रित रहना पड़ता है किन्तु वर्षा के पानी का भी सही तरीके से संग्रहण नहीं हो पाने के कारण ही इसका भी समुचित उपयोग नहीं हो पाता। वर्षा के पानी का करीब 15 फीसद वाष्प के रूप में उड़ जाता है और करीब 40 फीसद पानी नदियों में बह जाता है जबकि शेष पानी जमीन द्वारा सोख लिया जाता है, जिससे थोड़ा बहुत भूमिगत जल स्तर बढ़ता है और मिट्टी में नमी की मात्रा में कुछ बढ़ोतरी होती है। इसलिए यदि हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण कर उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

पानी को मानव की मूलभूत आवश्यकता, अमूल्य राष्ट्रीय धरोहर व अति विशिष्ट प्राकृतिक संसाधन मानते हुए 198% में जल संसाधनों के नियोजन एवं विकास के लिए राष्ट्रीय जल नीति' घोषित की गई थी। इसके क्रियान्वयन के मामले में और तेजी लाने की जरूरत है। राष्ट्रीय जल नीति की घोषणा करते समय कहा गया था कि देश में उपलब्ध जल संसाधनों के विकास, संरक्षण, समुचित उपयोग एवं प्रबंधन के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जाएंगे और जरूरी कदम उठाए जाएंगे। देश में जल संकट के विकराल रूप धारण करते जाने के पीछे जनसंख्या विस्फोट के साथ-साथ पानी की उपलब्धता में हो रही कमी तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा पानी का दुरूपयोग, कुप्रबंधन एवं दूषित होता पेयजल आदि और भी कई ऐसी वजहें हैं, जो समस्या को विकराल बना रही हैं। हमें यह भली-भांति समझना होगा कि पानी प्रकृति की अमूल्य देन है और हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते। विकराल होते जल संकट का समाधान तभी संभव है, जब आमजन में इस दिशा में जागरूकता पैदा करने के अपेक्षित प्रयास किए जाएं तथा सरकारी प्रयासों के साथ-साथ हर नागरिक भी पानी की एक-एक बूंद बचाने के लिए अपने-अपने स्तर पर प्रयास करे।

नजरिया

अमृत है यह पानी, इसे व्यर्थ न गंवाएं

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

विश्व जल दिवस प्रतिवर्ष 22 मार्च को मनाया जाता है। पेयजल संकट को दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 1992 में 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रूप में मनाने का निश्चय किया था। वर्ष 2025 के विश्व जल दिवस की थीम पर्वतीय जल और क्रायोस्फीयर रखी गई हैं। यह दिवस सुरक्षित पानी तक पहुंच के बिना रहने वाले 2.2 अरब लोगों के वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्रवाई करने के बारे में है। आज विश्व में सर्वत्र जल का संकट व्याप्त है। विश्व में चहुंमुखी विकास का दिग्दर्शन हो रहा है। किंतु स्वच्छ जल मिल पाना कठिन हो रहा है। साफ जल की अनुपलब्धता के चलते ही जल जनित रोग महामारी का रूप ले रहे हैं। इंसान जल की महत्ता को लगातार भूलता गया और उसे बर्बाद करता रहा, जिसके फलस्वरूप आज जल संकट सबके सामने है। पृथ्वी का तीन चौथाई भाग पानी से ढका है मगर इस जल का 99 प्रतिशत पानी पिया नहीं जा सकता और पीने योग्य पानी पृथ्वी पर मात्र एक प्रतिशत ही है जो नदियों, तालाबों, झीलों में ही मौजूद है हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जल, टिकाऊ विकास के लिए बेहद अहम है। सुरक्षित व स्वच्छ पानी तक पहुँच एक बुनियादी मानव अधिकार है। आज जल संकट एक वैश्विक चुनौती है। वर्तमान में, विश्व भर में अरबों लोगों की स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं है। हर साल अनुमानतः

आठ लाख लोगों की मौत, ऐसी बीमारियों के कारण हो जाती है जो असुरक्षित पानी, अपर्याप्त स्वच्छता और साफ़-सफ़ाई की कम आदतों के कारण फैलती हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत सहित कई देशों में पानी का संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। णछ की एक रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक भारत दुनिया में पानी की सबसे बड़ी समस्या होगी। पानी की कमी भी भारत के पड़ोसी देशों चीन और पाकिस्तान में होगी। णछ की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया में 1.7 से 2.40 अरब शहरी लोग पानी के संकट से जूझेंगे।

दुनिया का 70 फीसदी हिस्सा पानी से घिरा है, लेकिन उसमें से पीने योग्य पानी लगभग तीन फीसदी ही है। 97 फीसदी पानी ऐसा है जो पीने लायक ही नहीं है। अब तीन फीसदी पानी पर पूरी दुनिया जीवित है। जल संसाधन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में एक वर्ष में उपयोग किए जाने वाले जल की शुद्ध मात्रा अनुमानित 1,121 बिलियन क्यूबिक मीटर है। जबकि वर्ष 2025 में पीने वाले पानी की मांग 1093 और 2050 तक बढ़कर 144% बीसीएम तक पहुंच सकती है। 1.35 अरब से अधिक की आबादी के बावजूद भारत के पास दुनिया के ताजे जल संसाधन का केवल 4 प्रतिशत ही है। वहीं संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। कई राज्य हैं जो भूजल की कमी के चरम बिंदु को पार कर चुके हैं। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में 2025 तक गंभीर रूप से भूजल संकट गहरा सकता है। जल के बिना मानव जिन्दा नहीं रह सकता। क्योंकि मानव शरीर का एक बड़ा हिस्सा जल होता है। यह सब मानव को मालूम होते हुए भी जल को बिना सोचे-विचारे हमारे जल-स्रोतों में ऐसे पदार्थ मिला रहा है जिसके मिलने से जल प्रदूषित हो रहा है। जल हमें नदी, तालाब, कुएँ, झील आदि से प्राप्त हो रहा है। जल की उपलब्धता को लेकर वर्तमान में भारत ही नहीं अपितु समूचा विश्व चिन्तित है। जल ही जीवन है। जल के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव का अस्तित्व जल पर निर्भर करता है।

भूजल की वर्तमान स्थिति को सुधारने के लिये भूजल का स्तर और न गिरे इस दिशा में काम किए जाने के अलावा उचित उपायों से भूजल संवर्धन की व्यवस्था हमें करनी होगी। पानी की कमी के चलते निरन्तर खोदे जा रहे गहरे कुओं और ट्यूबवेलों द्वारा भूमिगत जल का अन्धाधुन्ध दोहन होने से भूजल का स्तर निरन्तर घटता जा रहा है। देश में जल संकट का एक बड़ा कारण यह है कि जैसे-जैसे सिंचित भूमि का क्षेत्रफल बढ़ता गया वैसे-वैसे भूगर्भ के जल के स्तर में गिरावट आई है। भूजल दोहन के अंधाधुंध दुरुपयोग को यदि समय रहते रोका नहीं गया, तो आने वाली पीढियों को इसके भयानक परिणाम भुगतने होंगे। सरकार को जनता में जागरूकता लाने के लिए विशेष प्रबन्ध और उपाय करने होंगे। आवश्यकता इस बात की है कि हम जल के महत्व को समझे और एक-एक बूंद पानी का संरक्षण करें तभी लोगों की प्यास बुझाई जा सकेगी।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

मुलाकात

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में नाश्ते के लिए सांसदों की मेजबानी करने से पहले उनका अभिवादन किया।

गुरुग्राम में 'विंटेज कार शो' में आकर्षण का केंद्र रही 'लाल परी' एमजी रोडस्टर

गुरुग्राम/भाषा। हाल में गुरुग्राम में विशाल गोल्फ लिंक में आयोजित 'विंटेज कार शो' '21 गन सैल्यूट कॉन्कोर्स डी एलिगेंस' के 11वें चरण में लगभग 125 पुरानी कारें और 50 पुरानी मोटरसाइकिलें मौजूद थीं लेकिन मिलेनियम सिटी के गोल्फ कोर्स में आकर्षण का केंद्र रही 1950 की विंटेज एमजी रोडस्टर 'लाल परी'।

इस शो में महाराजा कारों से लेकर खूबसूरत क्लासिक कारें मौजूद थीं जो ऑटोमोबाइल प्रेमियों के लिए किसी तीर्थस्थल से कम नहीं था। शो में 1903 डी डायन बोटोन (प्रदर्शित की गई सबसे पुरानी कार), 1917 फोर्ड मॉडल टी रोडस्टर, 1935 कैडिलैक फ्लीटवुड और 1948 बेंटले मार्क ड्रॉपहेड कूप (मूल रूप से बड़ौदा की महारानी के लिए बनाई गई थी) सहित अन्य दुर्लभ कारें मौजूद थीं।

'लाल परी' एमजी रोडस्टर के लिए यह घर वापसी का पल था जो 13 देशों में लगभग 13,500 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद अक्टूबर 2023 में ब्रिटेन पहुंची थी और अब इस कार शो में कार प्रेमियों को लुभा रही थी।

अहमदाबाद के दमन ठाकोर 'लाल परी' के मालिक हैं जिन्होंने अपने परिवार के सदस्यों को लेकर 70 से ज्यादा दिन तक इसमें ब्रिटेन तक यात्रा की। उनकी पत्नी, पिता और बेटी इस दौरे पर उनके साथ थे और ऑक्सफोर्डशर के एबिंगडन के लोगों ने उनका स्वागत किया। यह जगह कई दशकों तक मॉरिस गैरेजेस का घर थी और 100 साल से अधिक पुरानी इस कंपनी ने ही 'लाल परी' को बनाया था।

और 75 साल बाद भी 'लाल परी' लोगों का दिल जीत रही है और उन्हें आकर्षित कर रही है। इसका प्रमाण यह है कि उसे '21 गन सैल्यूट कॉन्कोर्स डी'एलिगेंस के 11वें संस्करण में पुरस्कार मिला।

अहमदाबाद में रहने वाले 49 वर्षीय ठाकोर ने दो साल पहले अपनी बेशकीमती कार और दुनिया भर में उसकी अद्भुत यात्रा को याद करते हुए यहां 'पीटीआई' को बताया, ''यह 'लाल परी' है। जब मैं तीन साल का था, तब मेरे पिता ने यह कार मेरे लिए खरीदी थी। और तब से हम इसके साथ बड़े हुए हैं। हम हर जगह इसमें ही जाते हैं और यहां तक कि यह मेरी शादी के जश्न (2000 में) का भी हिस्सा रही। मेरी पत्नी की मायके से विदाई इसी कार में हुई थी। ''

ठाकोर ने बताया लगभग 10 साल पहले परिवार ने इस एमजी कार को नया जीवन देने के बारे में सोचा। उन्होंने कहा, ''हम इसे देखते हुए बड़े हुए और इसने हमें बहुत खुशी दी है इसलिए हमने इसकी हालत सही करने के बारे में सोचा। तभी विचार आया कि हम इसे वापस उसी फैक्ट्री में क्यों नहीं ले जा सकते जहां इसे मूल रूप से बनाया गया था। ''

ठाकोर ने कहा, ''फिर सड़क के रास्ते से 'भारत से लंदन' कार यात्रा की बात शुरू हुई और परिवार की तीन पीढ़ियां इस कार में संयुक्त अरब अमीरात से ब्रिटेन तक पहुंचीं। '' उन्होंने कहा, ''सफर हमारे घर अहमदाबाद से शुरू हुआ, हम मुंबई गए।

गबार्ड की भारत यात्रा मजबूत अमेरिका-भारत संबंधों को दर्शाती है : डीएनआई

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा दशकों पुराने मजबूत अमेरिका-भारत संबंधों को दर्शाती है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मित्रता से बल मिला है। अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशालय (डीएनआई) ने एक बयान में यह टिप्पणी की। गबार्ड बतौर अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक विभिन्न देशों की अपनी पहली यात्रा पर थीं। उन्होंने हवाई, जापान, थाईलैंड, भारत और फ्रांस की यात्रा की। डीएनआई की ओर से बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा गया, ''हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जन्मी और पली-बढ़ी गबार्ड में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण साझेदारियों और जटिल चुनौतियों की गहरी समझ है तथा उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में राष्ट्रपति ट्रंप की 'अमेरिका प्रथम' नीतियों को आगे बढ़ाने के अवसरों को खंगाला है।''

भारत में गबार्ड ने प्रधानमंत्री मोदी समेत कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। बयान में कहा गया है, ''अमेरिकी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड की भारत यात्रा दशकों पुराने मजबूत अमेरिका-भारत संबंधों को दर्शाती है, जिसे प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व एवं उनकी मित्रता से बल मिला है।''

बोमन ईरानी ने परिवार के साथ पारसी नववर्ष मनाया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता- निर्देशक बोमन ईरानी ने घर पर अपने करीबी परिवार के साथ पारसी नववर्ष (नवरोज) मनाया और सोशल मीडिया पर एक प्यारा और मजेदार वीडियो शेयर किया। वीडियो में जश्न के खूबसूरत पल दिखाए गए हैं।बोमन के घर में खुशी का माहौल था क्योंकि पूरा परिवार एक साथ था, जिसमें उनका पोता और उनके प्यारे छोटे परिवार के सदस्य भी शामिल थे। उन्होंने एक साथ प्रार्थना की, हंसी-मजाक किया और स्वादिष्ट मिठाइयों और व्यंजनों का आनंद लिया। वीडियो के ज़रिए दिन की खुशियों भरी ऊर्जा को महसूस किया जा सकता था। वीडियो में बोमन ईरानी ने कहा,नवरोज वसंत विषुव का दिन है। हम सामने खड़े होकर जो कुछ उसने हमें दिया है, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं और जो कुछ वह हमें देने वाला है, उसके लिए भी बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं। परिवार के साथ नई शुरुआत - और अब यह सभी का नवरोज बन गया है। उन्होंने अपने वीडियो के साथ एक मजेदार कैप्शन भी लिखा,यह साल का वह समय फिर से आ गया है - जब हमारा दिल भरा हुआ है, हमारी प्लेटें भरी हुई हैं, और हमारे संकल्प पुलाव दार की तरह ही लंबे समय तक चलते हैं! मेरे परिवार, दोस्तों और उन सभी अद्भुत लोगों को नवरोजमुबारक, जिनके साथ मैंने यह यात्रा साझा की है... प्यार, हंसी और शायद कम कैलोरी (मैं किससे मजाक कर रहा हूँ?) का एक साल हो बोमन की पोस्ट ने कई लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला दी और सभी को याद दिलाया कि त्योहारों को प्यार, हंसी और परिवार के साथ मनाना सबसे अच्छा होता है।

भारत, पाकिस्तान के रिश्ते इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे : कसूरी

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री खुर्शीद महमूद कसूरी ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के रिश्ते मौजूदा वक्त में युद्ध के समय को छोड़कर इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में अचानक सकारात्मक बदलाव भी आ सकते हैं। इंस्टीट्यूट ऑफ पीस एंड कनेक्टिविटी (आईपीएसी) की ओर से बृहस्पतिवार रात लाहौर में 'पाकिस्तान-भारत संबंध : वर्तमान स्थिति और आगे की राह' विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में कसूरी ने कहा कि आपसी बातचीत ही दोनों देशों के लिए अपने लंबित मुद्दों को सुलझाने का एकमात्र जरिया है। मौजूदा समय को भारत-पाकिस्तान के रिश्ते के लिहाज से इतिहास के सबसे बुरे दौर में एक से करार देते हुए कसूरी ने कहा कि यहां तक कि युद्ध के बाद भी नई दिल्ली और इस्लामाबाद शांति प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के लिए जल्द ही बातचीत की मेज पर आ गए। आईपीएसी के अध्यक्ष कसूरी ने कहा कि अगर दोनों देश आपसी विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने का मौका चूक जाते हैं, तो यह दुख की बात होगी, क्योंकि उनके पास कश्मीर मुद्दे के संभावित समाधान के लिए चार सूत्री फॉर्मूले के रूप में पहले से ही एक सहमत खाका मौजूद है।

साल 2002 से 2007 तक विदेश मंत्री रहे कसूरी स्पष्ट रूप से पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ की ओर से भारतीय नेतृत्व को कथित तौर पर सुझाए गए समाधान का जिक्र कर रहे थे। कसूरी ने इस बात को रेखांकित किया कि उन्होंने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकारों के साथ शांति प्रक्रिया पर काम किया। उन्होंने कहा कि इसलिए उन्हें पूरा यकीन है कि मौजूदा निराशाजनक स्थिति के बावजूद भारत की अधिकांश जनता पाकिस्तान के साथ शांति चाहती है। कसूरी ने कहा कि चुनौतियों और मौजूदा टकराव के बावजूद उनके अनुभव ने उन्हें सिखाया है कि पाकिस्तान-भारत संबंधों में अचानक सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे करगिल युद्ध के सूत्रधार कहलाने वाले मुशर्रफ का बाद में नई दिल्ली में गर्मजोशी से स्वागत किया गया था। कसूरी ने कहा कि इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में लाहौर में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ से मुलाकात करके सबको चौंका दिया था। जाहिर तौर पर हिंगलाज माता मंदिर में दर्शन के लिए और उनके बाद में शांति प्रक्रिया को फिर से शुरू करने के वास्ते प्रधानमंत्री इमरान खान से मिलने के लिए इस्लामाबाद जाने की संभावना थी।

सिंगिंग डेब्यू पर मन्नारा चोपड़ा बोलीं, संगीत मेरे दिल के करीब

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री, बिग बॉस की पूर्व कंटेस्टेंट मन्नारा चोपड़ा सिंगिंग में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। 'अजीब दास्तान' में वह अपनी आवाज देती नजर आएंगी। गाने को आवाज देने के साथ ही मन्नारा ने म्यूजिक वीडियो के कुछ हिस्सों का निर्देशन भी किया है, जिसमें न्यूयॉर्क शहर की शानदार पृष्ठभूमि पर तैयार पुरानी दुनिया की धुनों के आकर्षण को खूबसूरती से दिखाया गया है। इस नए काम को लेकर उत्साहित मन्नारा ने कहा, संगीत हमेशा मेरे दिल के करीब रहा है। यह गीत इसलिए खास है, क्योंकि इसमें क्लासिक्स के प्रति मेरे प्यार को मेरे अपने कलात्मक स्पर्श के साथ मिलाया गया है। मैं कुछ ऐसा बनाना चाहती थी, जो व्यक्तिगत होने के साथ-साथ यूनिवर्सल भी लगे और मुझे उम्मीद है कि लोग इससे उसी तरह जुड़ेंगे, जैसे मैं जुड़ती आई हूं।

'अजीब दास्तान है ये' मूल रूप से 1960 की फिल्म 'दिल अपना और प्रीत पराई' से है, जिसमें मीना कुमारी, राजकुमार, जे. ओम प्रकाश, नादिरा, हेलेन और नाज ने अभिनय किया। इस गाने को दिवंगत गायिका लता मंगेशकर ने गाया है और इसे शैलेंद्र ने लिखा है। 33 वर्षीय अभिनेत्री मन्नारा का जन्म हरियाणा के अंबाला कैंटोनमेंट में हुआ था, उन्होंने 40 से अधिक विज्ञापनों में काम किया है। अभिनय की शुरुआत से पहले वह एक फैशन डिजाइनर और सहायक कोरियोग्राफर के रूप में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने हिप हॉप और बेली डांसिंग जैसे नृत्य रूपों में प्रशिक्षण लिया। मन्नारा ने 2014 में अभिनय की दुनिया में कदम रखा और तेलुगू, तमिल, हिंदी और कन्नड़ जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया। उन्होंने श्रीराम चंद्रा के साथ 2014 की तेलुगू फिल्म 'प्रेमा गीमा जंता नाई' से अपने अभिनय की शुरुआत की। उन्होंने अनुभव सिन्हा की 'जिद' से हिंदी में शुरुआत की, जिसमें उनके साथ करणवीर शर्मा भी थे। 2015 में चोपड़ा ने दो तमिल फिल्मों के एक गाने में विशेष भूमिका निभाई थी। मन्नारा 'थिक्का' में साई धरम तेज के साथ मुख्य भूमिका भी निभाई। मन्नारा 2017 में 'रॉग' से कन्नड़ फिल्म में डेब्यू कर चुकी हैं।

वह साल 2023 में सलमान खान के शो 'बिग बॉस' के 17वें सीजन में शामिल हुई थीं। इस शो के बाद वह लोकप्रिय हो गईं। शो की वह दूसरी रनर-अप रहीं और विजेता मुनव्वर फारूकी रहे। मन्नारा 'भूतमेट' से वेब डेब्यू कर चुकी हैं, जिसमें उन्होंने परी नाम की एक भूतनी का किरदार निभाया। वह जल्द ही एक तेलुगू फिल्म थिरागबदरा सामी' और एक पंजाबी फिल्म में नजर आएंगी।

राजकुमार राव संग शिरडी पहुंचीं फराह खान, किए साईं बाबा के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता-कोरियोग्राफर फराह खान शुक्रवार को मुंबई स्थित साईं बाबा के मंदिर पहुंचीं। फराह के साथ पत्रलेखा, हुमा कुरैशी, राजकुमार राव भी नजर आए। साईं बाबा के दर्शन के बाद फराह खान और राजकुमार राव मीडिया से मुखातिब हुए। फराह ने बताया, मैं बचपन से साईं मंदिर आती रही हूं और यहां आकर बहुत अच्छा लगता है। पिछली बार मैं साजिद के साथ आई थी, मुझे जब भी लगता है कि बाबा का बुलावा आया है, चली आती हूं। साल में एक बार तो दर्शन करने के लिए जरूर आती हूं। फराह ने बाबा संग अपने एक खास लगाव के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, मैं देश में रहूं या विदेश में रहूं, जब भी भगवान से कुछ मांगती हूं या उनसे मिन्नत करती हूं कि मेरी मुराद पूरी कर दो, मैं आपके द्वार आऊंगी, तो वह पूरी जरूर करते हैं। मेरी बाबा पर खूब श्रद्धा है।

माथे पर पीला तिलक लगाए और हाथ में प्रसाद के रूप में मिले फूल को लेकर भक्ति में डूबे दिखे अभिनेता राजकुमार राव ने दर्शन करने के अपने अनुभव पर रोशनी डाली।

उन्होंने कहा, बाबा का दर्शन करने के बाद बहुत अच्छी अनुभूति होती है। जब मैं बाबा के सामने खड़ा रहता हूं तो जो महसूस होता है, उसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता। सामने आए एक वीडियो में फराह खान, राजकुमार राव के साथ हुमा कुरैशी और पत्रलेखा भी नजर आईं। राजकुमार राव के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही वामिका गब्बी के साथ कॉमेडी-ड्रामा 'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे, जिसका टीजर हाल ही में निर्माताओं ने जारी किया है। टाइम लूप पर बनी फिल्म में राजकुमार राव और वामिका गब्बी की शादी 29 और 30 के चक्कर में फंसी जाती है। 'भूल चूक माफ' का निर्देशन करण शर्मा ने किया है। वहीं, फिल्म के निर्माता दिनेश विजान हैं। फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सोहा अली खान ने बिल गेट्स से की मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस सोहा अली खान ने अमेरिकी बिजनेसमैन और परोपकारी बिल गेट्स के साथ एक सुखद मुलाकात का आनंद लिया। सोहा ने सोशल मीडिया पर अपनी मुलाकात की एक झलक शेयर करते हुए गेट्स के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने गेट्स से उनकी किताब सोर्स कोड पर हस्ताक्षर भी करवाए हैं।

उन्होंने कहा, यह मानना कि दुनिया बदतर होती जा रही है, कि हम अत्यधिक गरीबी और बीमारी का समाधान नहीं कर सकते, सिर्फ गलत नहीं है। यह हानिकारक है। सोहा ने कैप्शन में लिखा, किसी समझदार, धनी, उदार, समाधान-उन्मुख और शायद सबसे महत्वपूर्ण रूप से आशावादी व्यक्ति से मिलना और उनकी पुस्तक की अपनी कॉपी पर हस्ताक्षर करवाना बहुत खुशी की बात थी!

गेट्स तीन साल में तीसरी बार भारत आए हैं और राजनीति की दुनिया के कुछ प्रभावशाली लोगों से मिल रहे हैं। सोहा ने बुधवार को अपने ताजा वर्कआउट सेशन की एक झलक दिखाते हुए नेटिजन्स को खुश किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट कर रही हैं। पुश-अप्स से शुरुआत करते हुए, पुश-अप, जंपिंग जैक, एब क्रंच, वन-लेग लंज और ट्रेडमिल रनिंग की। सोहा ने कैप्शन में लिखा, सप्ताह भर जोर लगाते हुए... वर्कआउट वेडनसडे। सोहा समय-समय पर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए फिटनेस के लिए प्रेरणा देती रहती हैं। काम के लिहाज से, सोहा अगली बार नुसरत भरूचा के साथ 'छोरी 2' में नजर आएंगी। विशाल फुरिया के निर्देशन में बनी इस सीक्वल का निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विक्रम मल्होत्रा और जैक डेविस ने टी-सीरीज, क्रिप्ट टीवी और अबुंदतिया एंटरटेनमेंट के बैनर तले संयुक्त रूप से किया है। नुसरत के साथ, इस फिल्म में मीता वशिष्ठ, पल्लवी अजय, यानि भारद्वाज, राजेश जैस और सौरभ गोयल भी मूल ड्रामा से अपनी भूमिकाएं दोहराते हुए नजर आएंगे। मुख्य फिल्म 'छोरी' का प्रीमियर 26 नवंबर 2021 को अमेजन प्राइम वीडियो पर हुआ।

मुलाकात

अभिनेत्री हेमा मालिनी ने शुक्रवार को ऋषिकेश में पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती से मुलाकात की।

फिल्म 'कांस्य' का 'सिनेवेश्चर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' में होगा प्रदर्शन

मुंबई/एजेन्सी

निर्देशक आदित्य वॉट्स की फिल्म कांस्य का सिनेवेश्चर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शन होगा। सिनेवेश्चर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का आयोजन 20 से 23 मार्च के दौरान चंडीगढ़ में आयोजित हो रहा है। फिल्म कांस्य विलियम शेक्सपीयर के प्रसिद्ध नाटक ट्रोइलस एंड क्रेसिडा का भारतीय रूपांतर है और इसे हरियाणा के पारंपरिक कुश्ती समाज में स्थापित किया गया है। फिल्म कांस्य की कहानी सोनम पर आधारित है जो एक अखाड़ा मालिक की पत्नी है। सोनम अपने दुश्मन परिवार के रणबीर नामक लड़के के साथ भाग जाती है, जिसकी वजह से दोनों परिवारों का पुराना झगड़ा और तनाव फिर से शुरू हो जाता है। फिल्म में वरुण भगत, लक्ष्य गोयल, कृतिका पांडे और साहिल सेठी ने मुख्य भूमिकाएँ निभायीं हैं।यह फिल्म आदित्य की बतौर निर्देशक पहली फीचर फिल्म है और इसकी पटकथा उन्होंने आदित्य डबास के साथ मिलकर लिखी है। फिल्म 'कांस्य' के निर्माण में आदित्य और उनकी टीम को चार साल लगे, जिस दौरान उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। यह फिल्म 2024 में स्पेन के प्रसिद्ध गिरोना फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हुई थी।

सिनेवेश्चर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'कांस्य' के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए निर्देशक आदित्य वॉट्स ने कहा, मैंने पहली बार ट्रोइलस एंड क्रेसिडा पढ़ी, तो इसमें मौजूद मानवीय इच्छाओं और संघर्षों की सच्चाई ने मुझे बहुत प्रभावित किया। इसे हरियाणा की कुश्ती समाज में स्थापित करने से मुझे इन विषयों को भारतीय दृष्टिकोण से देखने का मौका मिला। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि कांस्य का प्रदर्शन सिनेवेश्चर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में होगा, जहाँ कई प्रतिभाशाली निर्देशकों की फिल्में भी प्रदर्शित की जाएँगी।

तमन्ना भाटिया ने नेपोटिज्म पर खुलकर की बात

मुंबई/एजेन्सी

जी सिने अवॉर्ड्स 2025 प्रेस कॉन्फ्रेंस में अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने नेपोटिज्म पर चल रही बहस पर खुलकर बात की। 'बाहरी' और 'नेपो किड्स' के बीच अभिनेत्री ने खुद को 'फैन मेड' बताया। इंडस्ट्री में अपने सफर पर प्रकाश डालते हुए तमन्ना ने लोगों को उनकी पृष्ठभूमि के आधार पर दिए जाने वाले लेबल पर सवाल उठाया और कहा, वे मेरे जैसे लोगों को क्या कहते हैं? उन्होंने बताया कि फिल्मी बैकग्राउंड वालों को नेपो किड्स कहा जाता है और गैर-फिल्मी लोगों को अक्सर बाहरी कहा जाता है। जबकि उनके जैसे कलाकारों को फैन-मेड कहा जाता है। मीडिया से बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने कहा, वे मेरे जैसे लोगों को क्या कहते हैं? फिल्मी बैकग्राउंड वाले लोगों को नेपो किड्स कहा जाता है और बाहर से आने वालों को बाहरी कहा जाता है। तो, वे मेरे जैसे लोगों को क्या कहते हैं? मुझे लगता है, वे हमें 'फैन-मेड' कहते हैं। जी सिने अवॉर्ड्स के बारे में तमन्ना ने कहा, यह साल की शुरुआत है, लेकिन यह पहले से ही रचनात्मक रूप से रोमांचक रहा है। कुछ अलग हटकर किरदार निभाना, रूढ़ियों को तोड़ना इनके साथ साथ की शुरुआत शानदार रही। इन सबके बीच, मेरे प्रशंसकों का प्यार मेरी सबसे बड़ी ताकत रहा है। जी सिने अवॉर्ड्स में कलाकारों और उनके प्रशंसकों के बीच इस बंधन का जश्न मनाता है।

23वें जी सिने अवॉर्ड्स 2025 प्रेस कॉन्फ्रेंस में कार्तिक आर्यन, तमन्ना, जैकलीन फर्नांडीज और वाणी कपूर जैसी हस्तियां शामिल हुईं। कार्तिक आर्यन ने बताया, यह साल मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाने के बारे में रहा है - चाहे वह बायोपिक हो या हॉरर और कॉमेडी जैसी शैलियों की खोज हो। मैं जो भी भूमिका निभाता हूं, वह मेरे दर्शकों और प्रशंसकों से जुड़ने का एक मौका है और उनका प्यार मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। जी सिने अवॉर्ड्स की फैनटरटेनमेंट थीम खास है, क्योंकि यह इस कनेक्शन का जश्न मनाती है, जहां प्रशंसक सिर्फ सिनेमा नहीं देखते, बल्कि हमारे साथ इसे जीते हैं। मैं यहां आकर और इस खूबसूरत बंधन का जश्न मनाकर उत्साहित हूं।

वाणी कपूर ने कहा, मैं अपने प्रशंसकों और दर्शकों से मिले प्यार और समर्थन के लिए आभारी हूं। आने वाले साल में रोमांच से भरपूर इस साल में मैं अपने दर्शकों को कुछ खास देने के लिए उत्सुक हूं। 23वें जी सिने अवॉर्ड्स 2025 का भव्य और सितारों से भरा आयोजन 17 मई को मुंबई में होगा। इस शानदार कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा और जल्द ही इसका प्रीमियर जी सिनेमा, जी टीवी और जी5 पर होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | शनिवार | 22-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

देश और समाज का दुर्भाग्य है कि प्रतिवर्ष अपनी लाखों प्रतिभाएं मातृभूमि को छोड़कर सफलता की तलाश में विदेश जा रही हैं। इस पलायन को रोकना सरकारों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। अगर यूं ही प्रतिभाओं का पलायन होता रहा तो हम पिछड़ जाएंगे। अपने देश में ऐसी व्यवस्थाएं सुदृढ़ करने की आवश्यकता है कि प्रतिभाओं का लाभ भारत को ही मिले। इसके लिए एक सामूहिक राजनीतिक जागरण की जरूरत है। देश का युवावर्ग निष्ठापूर्वक यह क्रांति कर सकता है।

तिरुवरकाडू में हुआ आईमाता धर्मरथ का आगमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीरवी समाज तिरुवरकाडू समाज भूखंड परिसर में आईमाताजी धर्म रथ भैल का आगमन हुआ। भैल रथ को बधावा के उपलक्ष में कलश यात्रा निकाली गई। बालिकाओं ने पारंपरिक वेषभूषा में सिर पर कलश धारण कर कलश यात्रा में शामिल हुई। गैर मण्डल के सदस्यों ने चंग की थाप पर गैर नृत्य किया। महिलाओं ने भैल को तिलक कर भव्य बधावा किया। महिलाओं ने भजन कीर्तन प्रस्तुत किए भजनों से माता का गुणगान किया। श्रद्धालुओं ने आईमाता रथ के दर्शन कर क्षेत्र में खुशहाली की कामना की।

शोभायात्रा शिवजी मंदिर से शुरु होकर समाज भूमि कार्यक्रम स्थल पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। भैल रथ के साथ आए जति बाबा मंडली के पुना बाबा, खेता महाराज, महेन्द्र बाबा (मध्यप्रदेश) राजेंद्र पंवार व दीपाराम काग(गुडिया) का स्वागत किया गया। दीपाराम काग ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए श्रद्धालुओं को आईमाताजी के बताए 11 नियमों की पालना करने का आह्वान किया। उन्होंने व्यवसाय के साथ शिक्षा की महत्वता पर भी जोर देते हुए कहा कि हमारे यहां दक्षिण में भी आईएएस, आईपीएस, कैडर के अधिकारी हमारे समाज के होने चाहिए। इस अवसर पर सचिव दिनेश चोयल, सरंक्षक पूर्व अध्यक्ष सुजाराम पंवार, ऊर्जाराम चोयल, भंवरलाल चोयल व उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह काग, कोषाध्यक्ष मुरलीधर पंवार आदि मौजूद रहे। इस मौके पर सीरवी समाज के अलावा सभी कौम के गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

वैष्णव महाविद्यालय में लगा मेगा रोजगार शिविर

60 कंपनियों के 185 से अधिक प्रतिनिधि हुए सम्मिलित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज अरुम्बाक्कम में 21 मार्च अपने विद्यार्थियों के लिए रोजगार शिविर का आयोजन किया गया। इसमें 60 अलग अलग कंपनियों जिनमें टीवीएस, एसबीआई लाइफ, अक्सिस बैंक, सदरलैंड आदि के 185 से अधिक एच आर सम्मिलित हुए। इस आयोजन में भाग लेने वाले आर्ट्स, साइन्स और मैनेजमेंट के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या 1400 के करीब रही जिसमें से अधिकतर विद्यार्थियों को या तो जॉब पत्र प्राप्त हुए या फिर उन्हे अगले राउंड के के लिए चयनित किया गया। कॉलेज के रोजगार अधिकारी एम बालमुरलीकृष्णन ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और सभी विद्यार्थियों को बताया की जब तक आपको लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए तब तक प्रयास करते रहना है।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू ने कहा कि आज के इस युग में सिर्फ प्रवेश देकर 3 या 5 साल तक अच्छी शिक्षा देना ही पर्याप्त नहीं है। हमें छात्रों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार देने में भी मदद करनी है। वैष्णव कॉलेज के विद्यार्थियों में कुछ अलग है हमें अब ये दिखाना है। सभी को रेगुलर कोर्स के अलावा 2 साल तक अनेक वैल्यू एडेड कोर्स पढ़ाकर हमने तीन साल बाद ये दूसरा प्रयास किया है। पिछले वर्ष भी इस मेले से 800 से अधिक को रोजगार मिला था। निश्चित रूप से आने वाले भविष्य में इसके और सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। ये हमारे लिए गर्व का विषय है कि चेन्नई के आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज में रोजगार का इतना बड़ा मेला लगा है।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारी डॉ वनीता अग्रवाल संयोजक राष्ट्रीय सेवा योजना मद्रास विश्वविद्यालय ने कहा कि आज का दिन आप सभी के लिए एक बड़ा दिन होने वाला है, आपको बिना किसी डर के अपनी योग्यता का प्रदर्शन करना है। आप शांत रहकर अपने भीतर के आत्मविश्वास के साथ उत्तर दीजिये। आपका ध्यान से प्रश्न को सुनना भी उतना ही आवश्यक है जितना कि उत्तर देना। उन्होने कॉलेज की प्रबंध समिति और प्राचार्य को इस आयोजन के लिए साधुवाद दिया। कॉलेज के सचिव डॉ अशोक कुमार मूँधड़ा ने कहा कि ये रोजगार मेला वैष्णव कॉलेज के 60 साल के इतिहास में मील का पत्थर है। इसके लिए कॉलेज के प्राचार्य और उनकी पूरी टीम बधाई के पात्र हैं। कॉलेज के कोषाध्यक्ष अशोक केड़िया ने भी इस आयोजन के लिए सभी को बधाई प्रेषित की। बीएससी डेटा साइन्स की विभागाध्यक्ष डॉ ए विजयलक्ष्मी ने धन्यवाद भाषण दिया।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में केजी वार्षिक दिवस एव स्नातक दिवस समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। गुरुवार को अग्रवाल विद्यालय में केजी वार्षिक दिवस एवम् स्नातक दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। अभिनेत्री एवं पार्श्वगायिका श्रीलेखा पार्थसारथी ने मुख्य अतिथि पद की शोभा बढ़ाई। छात्रा रीति भंडारी ने अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत किया। छात्रा आयुषी तोड़ी ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। विद्यालय के संयुक्त सचिव राजेश छावछरिया ने पुष्प गुच्छ, संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल तथा प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी ने शॉल ओढाक़र तथा सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सौंथलिया ने स्मृति चिन्ह भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया। के.जी. सह संचालिका श्रीरती ने वर्ष 2024- 25 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। एलसीडी प्रोजेक्टर के माध्यम से के.जी. कक्षाओं के विभिन्न कार्यक्रमों तथा शिक्षण विधियों की झलकियाँ प्रस्तुत की गई।

मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि हमें सदैव अपने परिवार से जुड़े रहना चाहिए और जितना हो सके अपने बच्चों को नैतिक मूल्यों एवं अपनी संस्कृति एवं संस्कारों की शिक्षा प्रदान करनी चाहिए। मुख्य अतिथि ने अपनी सुरीली एवं मोहिनी आवाज से तमिल एवं हिंदी गीतों जैसे 'नानी तेरी मोरनी, आइए मेहरबाँ, बैठिए जाने जाँ, एवं वचिका-वचिक इडुपुला' आदि गानों की प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया। अतिथियों ने यूकेजी के नन्हे-मुन्ने स्नातकों को डिग्री प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। छात्र जिनांग एल. शाह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

पैलेस ग्राउंड किंग्स कोर्ट सभागार में बिहार स्थापना दिवस समारोह आज

अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजेन्द्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट व सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद के तत्वावधान में समस्त बिहारी समाज व विविध भाषिक भाजपा प्रकोष्ठ के सहयोग से शनिवार को शाम 4 बजे पैलेस ग्राउंड स्थित किंग्स कोर्ट सभागार में बिहार स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक के भाजपा अध्यक्ष एवं भाजपा विधायक विजयेंद्र येड्डीयुरप्पा, कर्नाटक राज्य की भाजपा उपाध्यक्ष शोभा करंदलाजे तथा बिहार-नवादा के सांसद विवेक ठाकुर शामिल होंगे। इस समारों में प्रसिद्ध गजल गायक कुमार सत्यम एवं लोक प्रसिद्ध गायक रघुपति झा द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। इस समारोह के कार्यक्रम अध्यक्ष उदयकुमार, कर्नाटक के विविध भाषिक प्रकोष्ठ भाजपा के सहसंयोजक सनी राज, कार्यक्रम संयोजक हरिश्चंद्र झा, डॉक्टर आशुतोष कुमार, परिषद के अध्यक्ष एसके उपाध्याय एवं सचिव पंडित राजगुरु सहित बिहार समुदाय के अनेक युवा इस आयोजन की तैयारियों में जुटे हुए हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष उदयकुमार ने शहर के निवासित सभी बिहार प्रवासियों को कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया है।

रमेशचन्द बने सिरोही जैन संघ के अध्यक्ष, राजेश बने सचिव

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय सिरोही जैन संघ की गुरुवार को हुई बैठक में वर्ष 2025-27 के लिए नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें संघवी रमेशचन्द सिंघवी को अध्यक्ष व राजेश कोठारी को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा मनीष हरण को उपाध्यक्ष, अशोक हरण को सहसचिव, मनीष बाफना को कोषाध्यक्ष बनाया गया तथा चंद्रकांत तातेड़, आनंद शाह, कुलदीप बाफना, सन्नी कांगटाणी, दिलीप भंडारी व अभिषेक कोठारी को समिति में शामिल किया गया है।

बेंगलूरु-कलबुर्गी के बीच विशेष एक्सप्रेस ट्रेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने आगामी उगादी और रमजान त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए, रेलवे बोर्ड ने सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल, बेंगलूरु और कलबुर्गी के बीच एक-ट्रिप विशेष एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन को मंजूरी दे दी है।

ट्रेन संख्या 06519 एसएमवीटी बेंगलूरु-कलबुर्गी एक्सप्रेस स्पेशल 28 मार्च, 2025 को एसएमवीटी बेंगलूरु से रात 9:15 बजे रवाना होगी और अगले दिन सुबह 07:40 बजे कलबुर्गी पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 06520 कलबुर्गी-एसएमवीटी बेंगलूरु एक्सप्रेस स्पेशल 29 मार्च, 2025 को सुबह 9:35 बजे कलबुर्गी से रवाना होगी और उसी दिन रात 8:00 बजे एसएमवीटी बेंगलूरु पहुंचेगी। मार्ग में, ट्रेन दोनों दिशाओं में यलहंका, धर्मावरम, अनंतपुर, गुंटकल, अदोनी, मंत्रालयम रोड, रायचूर, कृष्णा, यादगीर और शाहाबाद स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन में 19 कोच होंगे, जिनमें 1-एसी टू टियर, 1-एसी थ्री टियर, 11 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 एसएलआर/डी कोच शामिल हैं। आरक्षण, आगमन और प्रस्थान समय और अन्य जानकारी के लिए, यात्री आधिकारिक रेलवे वेबसाइट पर जा सकते हैं या निकटतम रेलवे बुकिंग काउंटर से संपर्क कर सकते हैं।

पौध वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

एक्सनोरा इंटरनेशनल के तत्वावधान में जारी हरित प्रदेश अभियान के द्वारा शुक्रवार को विश्व वन दिवस एवं विश्व जल संरक्षण दिवस के मौके पर क्रीन मैरीस कॉलेज में पौधे रोपण एवं पौधे वितरण किए। मुख्य अतिथि डॉक्टर मुथु कुमार डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरमेंट एंड क्लाइमेट चेंज प्रोग्राम ऑफिसर गवेनमेंट ऑफ तमिलनाडु ने वन विभाग के बारे में विद्यार्थियों को विशेष जानकारी दी। इस मौके पर एक्सनोरा नॉर्थ सचिव फतेहराज जैन, मोहन सुंदरम, इंद्रजीत, ससीकुमार, गोविंदराज, विश्वनाथ, सारथी एवं कई पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

शीतला माता मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शुक्रवार को मैसूरु में अल्लसुबह से जेपी नगर स्थित शीतला माता मंदिर में सुहागिन महिलाएं अपने हाथों में पूजा की थाली एवं घर पर बनाए गए मिष्ठान आदि लेकर शीतला माता को भोग लगाने के लिए पहुंचीं। महिलाओं ने शीतला माता की पूजा कर अपने परिवार की खुशहाली की कामना की।

बिसलू मारम्मा मंदिर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के जनता नगर स्थित बिसलू मारम्मा मंदिर के प्रांगण में शुक्रवार के दिन अलसुबह राजस्थानी महिलाओं ने शीतला माता की पूजा कर मंगल गीत गाए और माता को ठंडे पकवान अर्पण किए।

जल संरक्षण के विषय पर बीजेएस महिला घटक ने आयोजित की कार्यशाला

मैसूरु/दक्षिण भारत। भारतीय जैन संगठना(बीजेएस) लेडीज विंग मैसूरु चैप्टर के तत्वावधान में राजुल बहू मंडल की ओर से विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में 'अंजलि' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षक व पर्यावरणविद् यूएन रविशंकर तथा सहप्रशिक्षक राजेश संचेती, शर्मिला धोका ने वर्षा जल संचय के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षक रविशंकर ने राजस्थान में जल संचय के तरीकों व समस्या के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सरकार व स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जनहित योजनाओं के तहत वर्षा जल भंडारण हेतु घर तथा खेतों में टांके (जलाशय) बनाए जा रहे हैं।

शर्मिला धोका ने कहा कि पानी की बचत व संरक्षण हेतु बच्चों को जागरूक करने की आवश्यकता है। इस मौके पर बीजेएस मैसूरु चैप्टर के अध्यक्ष राजन बाघमार, मुख्यसचिव दीपक बोहरा, आईपीपी प्रवीण लुंकड़, कर्नाटक सचिव प्रकाश गुलेच्छा, क्षेत्रीय अध्यक्ष सुखराज विनायकिया, चंदन महिला मंडल की अध्यक्ष प्रेमबाई मकाना, राजुल बहु मंडल की अध्यक्ष उषाबाई गांधी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

स्वस्थ व्यक्ति ही सुखी व समृद्ध होता है : साध्वीश्री संयमलता

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केयर श्रीरामपुरम में शुक्रवार को साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में 'हेल्थ इज वेल्थ' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि जीवन को मस्त व जबरदस्त बनाने का माध्यम है स्वास्थ्य। स्वस्थ व्यक्ति ही सुखी व समृद्ध होता है, स्वस्थ रहने हेतु हमारा आहार शुद्ध हो, सात्विक हो, जंक व फास्ट फूड से बचने का प्रयास करना चाहिए। इसके साथ ही आचार विचार शुद्ध रखते हुए जीवन को कल्याण मार्ग की ओर प्रशस्त करें। साध्वी मार्दवश्रीजी ने कार्यशाला का संचालन करते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन की सफलता का प्रथम सोपान है। अनेक महान व्यक्तियों ने हेल्थ को प्राथमिकता देते हुए वेल्थ को बनाया है। हमेशा आहार का ध्यान रखें। हेल्थ को ही हमारे जीवन की पूंजी बनाए रखें। तेयुप राजाजीनागर के राजेश देरासरिया ने एटीडीसी श्रीरामपुरम के बारे में जानकाारी दी। इस अवसर पर राजाजीनागर सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी, विजयनगर तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, पूर्व अध्यक्ष राकेश पोखरना, मंत्री संजय भटेवरा, राजाजीनगर तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया आदि उपस्थित थे।

कल होने वाले बिड़दी हाफ मैराथन-2025 के लिए मेट्रो सेवाओं सुबह 5 बजे से

बेंगलूरु। बिड़दी में होने जा रही बिड़दी हॉफ मैराथन के मद्देनजर नम्मा मेट्रो के सभी चार टर्मिनलों से मेट्रो ट्रेन सेवा 23 मार्च को सुबह 7 बजे की बजाय 5 बजे शुरु होंगी। हालांकि, मैराथन में बड़ी संख्या में भाग लेने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए नादप्रभु केम्पेगौड़ा स्टेशन से मैजेस्टिक से चल्लघट्टा तक ट्रेन सेवाएं सुबह 4 बजे शुरु होंगी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.